ISSN 2349-6614

नवम्बर 2023

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

अभी दूर है, मंजिल अपनी
मिलकर दीप जलाओ

हार्दिक शुभकामनाएं

Mohammed Irfan Mansoori
Director
Mob.: +91 9414163201

Dr. Nikita Maheshwari
Director
Mob.:- +91 94613 40804

Mohammed Imran Mansoori
Director
Mob.: +91 9983333388

NATIONAL

STEEL MART

Authorised Manufacturer & Supplier

Kitchen Fabrication | Kitchen Equipment | Kitchen Utensils | Crockery | Cuttlery | Glassware | Holloware | Linen | Housekeeping

Our Partners - Ocean | fnS | Ariane | CLAY CRAFT | JCPL MODERN LIVING

Our Clients - TAJ AKAVALI RESORT & SPA | RAMADA UDAIPUR RESORT AND SPA | Radisson BLU HOTELS & RESORTS | Radisson BLU RESORT | MAHUA BAGH

NATIONAL
STEEL MART

Showroom 1: NSM, RK Circle, Opp Croma Store, Udaipur (7023414407)
Showroom 2: NSM, Mali Colony, Opp Lakecity Garden, Udaipur (9773319922)

नवम्बर 2023
वर्ष 21 अंक 07

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय ि
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा ।

अंदर के पृष्ठों पर...

चुनाव
पांच राज्यों में सत्ता संग्राम 06

तल्खियां
आग से खेल रहे ट्रूडो 08

खुलासा
बिहार में पिछड़े 63 प्रतिशत से ज्यादा 12

ज्वलंत प्रश्न
हमास के हमले से खतरे में विश्वशांति 14

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित ।

NARAYAN SEVA SANSTHAN

SINCE 1985

Nar Seva Narayan Seva

हमारे प्रकल्पों से जुड़कर दिव्यांग बंधु उठाएं लाभ

सफल ऑपरेशन

443403

अब तक प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित

3029

संस्थान द्वारा भोजन वितरण

39424219

दिव्यांग एवं निर्धन विवाह जोड़े

2306

नारायण लिम्ब वितरण

36629

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

1324

एक ऑपरेशन सहयोग : 5000 रु.	1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग : 7500 रू.
50 दिव्यांगों का एक समय भोजन सहयोग : 15000 रु.	1 कन्या पाणिग्रहण संस्कार सहयोग : 10000 रू.
1 दिव्यांग कृत्रिम हाथ/पांव अंग सहयोग : 5000 रु.	एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग : 11000 रू.

प्रतिदिन हजारों रोगी व जरूतमंदजनों को मदद मिल रही है... उनकी दूआओं से हम सभी सुखी-समृद्ध और स्वस्थ हैं।

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें

+91 294 662 2222

+91 7023509999

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

शासन देखा, भोगा और अब निर्णय

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में नवम्बर में राजनैतिक दल मतदाताओं की कसौटी पर कसे जाएंगे। इन राज्यों के पिछले विधान सभा चुनाव (2018) में भारतीय जनता पार्टी को करारी हार से रूबरू होना पड़ा था। इस बार भी इन राज्यों के चुनाव भाजपा के लिए किसी कठिन परीक्षा से कम नहीं माने जा सकते। इन तीन राज्यों में से सिर्फ मध्यप्रदेश में ही सत्ता उसके पास है और वह भी उसने कांग्रेस से पुराना रिश्ता तोड़कर भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों के कांग्रेस से टूटने के कारण पिछले दरवाजे से हथियाई थी। यों तो हर चुनाव राजनीतिक दलों के लिए खास मायने रखते हैं, लेकिन इन तीन राज्यों के चुनावों में हार-जीत का महत्व इसलिए ज्यादा है क्यों कि 4-5 माह बाद ही लोकसभा चुनाव के रण में इन्हे डटना है। इसी साल कर्नाटक व हिमाचल के विधान सभा चुनाव में आंतरिक गुटबाजी को भाजपा ने अपनी पराजय को बड़ा कारण माना था, लेकिन राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ तो जनसंघ के जमाने से ही भाजपा के लिए अहम रहे हैं। उसकी अन्य राज्यों के मुकाबले इन तीन प्रदेशों में ही अधिक समय तक सत्ता रही है। हिमाचल व कर्नाटक में जीत के कारण कांग्रेस उत्साह से भरपूर तो है लेकिन इन तीन राज्यों में भाजपा को पछाड़ देना कोई छोटी चुनौती नहीं है। तीनों राज्यों में भाजपा-कांग्रेस की आमने-सामने की सीधी लड़ाई है। जहां तक मैदान में उतारे गए प्रत्याशियों का सवाल है, दोनों ही दलों ने कई स्तरों पर स्क्रीनिंग के बाद उनके नामों को अंतिम रूप दिया है।

इस बार राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर है। इन दोनों दलों के अलावा आम आदमी पार्टी (आप) एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) भी काफी जोर लगा रही है। 'आप' के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान के दौरे कर चुके हैं। रालोपा के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल प्रदेश में सत्ता संकल्प यात्रा पर निकले हुए हैं। भाजपा का मानना है कि उसके चुनाव जीतने पर लोकसभा चुनाव पर असर पड़ेगा और केन्द्र की मोदी सरकार के लिए जहां आसानी होगी वहीं डबल इंजन की सरकार के होने से राजस्थान में विकास को भी गति मिलेगी। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि अशोक गहलोत सरकार ने पिछले पांच साल में इतने काम किए कि वे मिसाल बन गए हैं। जिनकी बदोलत कांग्रेस की सरकार रिपीट होकर रहेगी। कुल मिलाकर दोनो ही पार्टीयों ने चुनाव में जीत को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ है। कांग्रेस व भाजपा दोनों के ही बड़े नेता राजस्थान, मध्यप्रदेश, और छत्तीसगढ़ के दौरों में रात-दिन एक किए हुए हैं। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा न देने का आरोप लगाते हुए तेरह जिलो में केन्द्र के खिलाफ व्यापक अभियान भी छेड़ा हुआ है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में सत्ता की सीढ़ी एससी-एसटी वर्ग के मतदाता हैं। इन राज्यों में जीत हासिल करने के लिए भाजपा को सुरक्षित सीटों का तिलिस्म तोड़ना होगा। बीते चुनाव में इन सीटों पर बुरे प्रदर्शन ने सत्तारूढ़ पार्टी की सत्ता से विदाई कर दी थी। इन तीनों राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या 520 है। इनमें से करीब 35 फीसदी सीटें एससी-एसटी उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित हैं।

राजस्थान में एसटी सुरक्षित 25 और एससी सुरक्षित 34 सीटें हैं। साल 2013 के चुनाव में भाजपा ने एससी सुरक्षित 34 में से 32 सीटें जीत कर सरकार बनाई थी। हालांकि बीते चुनाव में यह संख्या घट कर 11 हो गई। वहीं कांग्रेस जिसे तब एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी उसने 21 सीटों पर जीत दर्ज की। एसटी सुरक्षित सीटों पर भी कांग्रेस भाजपा पर भारी पड़ी थी। भाजपा को 2013 के चुनाव के मुकाबले 13 की जगह 10 सीटें मिली थी, जबकि कांग्रेस ने 7 की जगह 13 सीटें जीती थीं।

मध्य प्रदेश में भी भाजपा को सुरक्षित सीटों पर बुरे प्रदर्शन की कीमत सत्ता गंवा कर चुकानी पड़ी थी। राज्य में सुरक्षित सीटों की संख्या 82 है। भाजपा को इनमें से महज 25 सीटें मिली थीं। 2013 की तुलना में 28 सीटों का लाभ मिला था। पार्टी को 82 मैं से 40 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। भाजपा की जीती हुई सीटों की संख्या बीते चुनाव के मुकाबले करीब आधी रह गई थी, जबकि कांग्रेस की जीती सीटों की संख्या 12 से बढ़ कर 40 हो गई।

भाजपा को 2013 के चुनाव के मुकाबले 2018 में सुरक्षित सीटों के मामले में छत्तीसगढ़ में भी झटका लगा था। राज्य में एससी और एसटी सुरक्षित सीटों की संख्या 39 हैं। पार्टी को इनमें से महज 6 सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी। साल 2013 में भाजपा को एससी सुरक्षित 10 में से 9 सीटें मिली थी जो 2018 में घट कर दो रह गई। इसी प्रकार पार्टी को एसटी सुरक्षित 29 में से महज 4 सीटें मिली। सुरक्षित सीटों पर बुरे प्रदर्शन के कारण कांग्रेस को राज्य में तीन चौथाई बहुमत हासिल हो गया। इन राज्यों में तीसरा मोर्चा जैसी कोई उपस्थिति और संभावना दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। यह चुनाव मतदाताओं की भी परीक्षा है। उन्होंने सबका शासन देखा और भोगा है। अतएव निर्णय सोच समझकर करना है।

लोकसभा चुनाव से 6 माह पहले हो रहे विधानसभा चुनावों में राजनैतिक दलों की विश्वसनीयता कसौटी पर

पांच राज्यों में सत्ता संग्राम आरंभ

राजवीर

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव इस साल के आखिरी चुनाव हैं। ये चुनाव सेमीफाइनल तो नहीं कहे जाएंगे, लेकिन 2024 के आम चुनाव के हिसाब से सभी राजनैतिक दलों के लिए रिहर्सल जैसे जरूर हैं। राजनीतिक पार्टियां काफी पहले से ही चुनाव कैंपेन शुरू कर चुकी हैं। अब तक का हाल तो यही बता रहा है कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है, जबकि तेलंगाना और मिजोरम में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है। बीजेपी तो सभी राज्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ रही है, जबकि मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान फिलहाल मुख्यमंत्री का चेहरा हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें हैं जहां वो अपने मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के चेहरे पर चुनाव मैदान में उतर चुकी है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस कमलनाथ के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। तेलंगाना में प्रदेश कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी के चेहरे के रूप में नजर आ रहे हैं- राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तेलंगाना जीतने में काफी जोर रहे हैं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के समक्ष अपनी सरकारों को बचाए रखने की चुनौती है, तो मध्यप्रदेश में फिर जीत हासिल करने की। वहीं भाजपा की कोशिश है कि मध्यप्रदेश में फिर जीत हासिल की जाए और राजस्थान में कांग्रेस से सत्ता वापस ली जाए। दोनों दलों के अपने-अपने दावे हैं, लेकिन इन्हें हासिल करने की राह में उनकी चुनौतियों भी कम नहीं हैं।

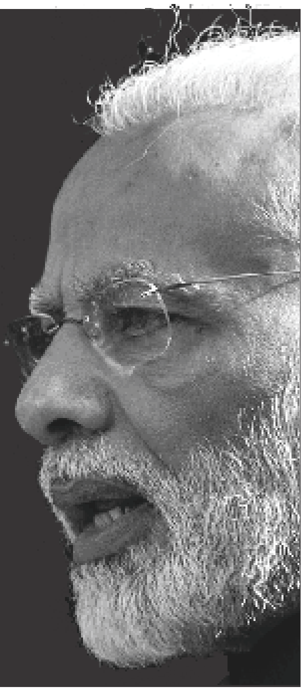

पिछले चुनाव के नतीजों को देखें तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस मजबूत बहुमत के साथ जीती थी और अभी भी वहां उसकी स्थिति मजबूत मानी जा रही है। मगर राजस्थान में पांच सीटें कम जीतने के बावजूद कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संख्याबल जुटाने में कामयाब रहे। इसके अलावा उन्होंने कई अहम घोषणाओं के जरिये भाजपा के समक्ष चुनौती पैदा कर दी है। मध्यप्रदेश में भाजपा ने अपने चुनावी प्रबंधन से सत्ता में लौटने की बड़ी योजना तो बनाई है, लेकिन कांग्रेस की भी जमीनी स्तर पर तैयारियां कम नहीं हैं। इसलिए मध्यप्रदेश की चुनावी जंग दोनों दलों के लिए कठिन है। दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा और कांग्रेस की तैयारियां चल रही है। भाजपा की अगुवाई में तीन दर्जन से अधिक दलों वाला एनडीए लोकसभा चुनाव में हैट्रिक की रणनीति बना रहा है तो कांग्रेस 28 दल के गठबंधन 'इंडिया' के साथ मैदान में है। भविष्य काफी हद तक पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर टिका हुआ है। भाजपा के एजेंडे में पीएम की वैश्विक छवि के चलते भारत को वैश्विक ताकत बनाना, डबल इंजन सरकार बनाकर विकास को गति देना व हिन्दुत्व शामिल है, जबकि कांग्रेस का एजेंडा जातिगत जनगणना, महिला आरक्षण में ओबीसी कोटा, कांग्रेस शासित सरकारों के गारंटी कार्यक्रम व पुरानी पेंशन योजना है। यदि विधानसभा चुनाव में भाजपा को बढ़त मिलती है तो लोकसभा चुनाव में उसके मुद्दे जोर पकड़ते दिखेंगे, पर यदि कांग्रेस को बढ़त मिलती है तो जातिगत आरक्षण का मुद्दा देश की सियासत को नई दिशा दे सकता है।

अगले माह नई सरकार

राज्य	मतदान	मतदाता	सीटें	बहुमत
मध्यप्रदेश	17 नवम्बर	5.6 करोड़	230	116
राजस्थान	25 नवम्बर	5.25 करोड़	200	101
छत्तीसगढ़	7, 17 नवम्बर	8.52 करोड़	40	21
मिजोरम	7 नवम्बर	8.52 लाख	40	21
तेलंगाना	30 नवम्बर	3.17 करोड़	119	60

अलग-अलग हैं विस-लोस समीकरण

	विधानसभा 2018		लोकसभा 2019	
राज्य	भाजपा %	कांग्रेस	भाजपा	कांग्रेस
राजस्थान	77 (39.3 %)	99 (39.8 %)	59.1%	34.6%
मध्यप्रदेश	109 (41.6 %)	114 (41.5 %)	58.5%	34.6%
छत्तीसगढ़	15 (33.6 %)	68 (43.9 %)	51.4%	41.1%

तेलंगाना में विस चुनाव में बीआरएस को 88 (47.4 प्रतिशत), कांग्रेस को 19 (28.7 प्रतिशत) व भाजपा को 1 (7.1 प्रतिशत) सीटें मिली।

लोकसभा चुनाव 2019 में बीआरएस को 41.7 प्रतिशत कांग्रेस को 29.8 प्रतिशत और भाजपा को 19.7 प्रतिशत वोट मिले।

मिजोरम : मिजाज ही अलग है

मिजोरम में वर्तमान में एनडीए का घटक दल मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में हैं। यहां कांग्रेस भी वापसी की कोशिश में जुटी हुई है। गौरतलब है कि मिजोरम का मिजाज दूसरे राज्यों से अलग तरह का है। यहां दस-दस साल तक एक ही पार्टी राज करती आई है। यहां भाजपा भी अपने पैर पसारने की कोशिश में जुटी है। चुनाव दिलचस्प रहने वाले हैं।

राजस्थान : क्या बदलेगी परम्परा?

राजस्थान में करीब ढाई दशक से सरकार रिपीट न होने की परम्परा बनी हुई है। सत्तारूढ कांग्रेस इस परम्परा को तोड़ने के लिए पूरा दमखम लगा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव घोषणा से ऐन पहले तक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के आदेश जारी किए, वहीं सोशल इंजीनियरिंग के लिए कई सामाजिक बोर्ड आदि का गठन कर उनमें नियुक्तियां की गई। कांग्रेस यहां चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, बिजली के बिलों में छूट, पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर, पुरानी पेंशन योजना के मुद्दों पर सवार दिख रही है, जमकर प्रचार-प्रसार भी किया है। वहीं भाजपा को राजस्थान से खासी

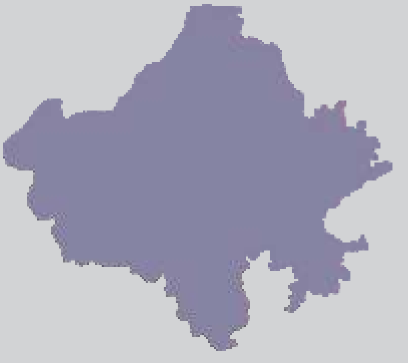

उम्मीद है। पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोर्चा संभाल रखा है। भाजपा बढ़ते अपराध, महिला सुरक्षा के साथ मुस्लिम तुष्टिकरण का मुद्दा उछाल रही है। रालोपा प्रमुख हनुमान बेनीवाल, बसपा, आम आदमी पार्टी भी दमखम दिखाने में जुटे हैं। रालोपा प. राजस्थान में कई सीटों पर समीकरण बदल सकती है।

मध्यप्रदेश: बच पाएगा मजबूत किला?

भाजपा के लिए गुजरात के बाद सबसे मजबूत किला मध्यप्रदेश का माना जाता है। यहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूरी ताकत लगा रखी है। उन्होंने चुनाव के कुछ दिन पहले महिला मतदाताओं पर खासा फोकस कर उनके लिए कई योजनाएं शुरू की। खुद को उनका भाई बताते हुए भावनात्मक अपील भी की। भाजपा यहां डबल इंजन की सरकार के कार्यों के साथ महाकाल कॉरिडोर जैसे कार्य बताकर हिन्दुत्व एजेंडे को धार दे रही है। उधर कांग्रेस ने यहां लोक से हटकर हिन्दुत्व का रास्ता अपनाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ बजरंग बली के भक्त के तौर पर खुद को दिखा रहे है। साथ ही शिवराज सरकार की विफलताओं को बड़ा मुद्दा बना रखा है। इसके अलावा कमलनाथ सरकार को गिराकर शिवराज की सरकार बनाने को भावनात्मक मुद्दा बनाने की रणनीति पर भी कांग्रेस आगे बढ़ रही है। उधर भाजपा ने कई दिग्गजों को चुनाव में उतारकर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच आमने-सामने का मुकाबला है। यहां राहुल गांधी को कांग्रेस की सरकार बनने का भरोसा है। कांग्रेस में राहुल ब्रिगेड के लिए मध्यप्रदेश में होने जा रहा ये पहला चुनाव है, जिसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया सामने से हमला बोल रहे हैं, सिर्फ साथ छोड़ने की कौन कहे, शुरू में तो ज्योतिरादित्य सिंधिया थोड़ा बहुत परहेज भी करते थे, लेकिन अब तो वो खुल कर कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोल रहे हैं। कहने को दिग्विजय सिंह साथ जरूर हैं, लेकिन कमलनाथ के लिए ये चुनाव ऐसा है जिसमें उनके काम में कोई भी दखल देने वाला नहीं है। बीजेपी के लिए तो मध्यप्रदेश में भी चुनौतियां हजार हैं। सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों के साथ-साथ बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को विधानसभा चुनाव में उतार कर बीजेपी एक ही तीर से बहुत सारे निशाने साधने की कोशिश कर रही है।

छत्तीसगढ़: योजनाओं के भरोसे कांग्रेस

इस बार छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सामने सरकार रिपीट कराकर इतिहास बनाने की चुनौती है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हर संभव प्रयास करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस यहां न्याय योजना, पुरानी पेंशन योजना, गोबर खरीद योजना समेत कई अन्य योजनाओं के भरोसे हैं। इसके अलावा कांग्रेस नेताओं पर ईडी की छापेमारी को लेकर भी भाजपा पर हमला किया जा रहा है। उधर, भाजपा बघेल सरकार के भ्रष्टाचार और अन्य विफलताओं को सबसे बड़ा मुद्दा बना रही है। छत्तीसगढ़ में लगतार 15 साल के शासन के बाद बीजेपी ने 2018 में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवा दी थी। मध्यप्रदेश में तो बीजेपी ने 15 महीने में ही हिसाब बराबर कर लिया था, लेकिन छत्तीसगढ़ के लिए पूरे पांच साल इंतजार करना पड़ा हैं। इस बार कांग्रेस को शिकस्त देने के लिए बीजेपी पूरी ताकत झोंक चुकी है। बीजेपी की सत्ता में वापसी के लिए खुद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोर्चा संभाले हुए है, साथ में बीजेपी के बाकी बड़े नेता तो जी जान से जुटे ही हैं। बीजेपी सांसद विजय बघेल को पाटन विधानसभा सीट से टिकट दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन सीट से ही विधायक है और लड़ाई इस बार काका बनाम भतीजा होने जा रही है। कांग्रेस का ज्यादा जोर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ पर ही दिखाई पड़ रहा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ-साथ पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इस मोर्चे पर तैनात देखे जा रहे हैं। राहुल गांधी ने 2018 में टीएस सिंह देव को मुख्यमंत्री बनाने का जो वादा किया था वो अधूरा ही रहा। टीएससिंह देव को डिप्टी सीएम बनाया जाना भी तो वादे के हिसाब से अधूरा ही माना जाएगा। जहां तक बीजेपी का सवाल है, बाकी राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर नेतृत्व परेशान है।

तेलंगाना: इस बार कांग्रेस से कड़ी चुनौती

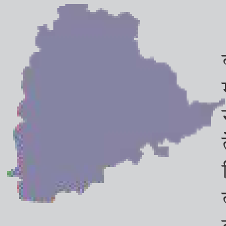

वर्ष 2014 में देश के मानचित्र पर एक नए राज्य के रूप में उभरे तेलंगाना में यह तीसरा विधानसभा चुनाव है। दो चुनावों में जीत के बाद लगातार मुख्यमंत्री पद पर आसीन के. चन्द्रशेखर राव इस बार फिर से सत्ता पा जाने की कोशिश में हैं। लेकिन इस बार उनकी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिलने के आसार दिख रहे हैं। अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं के चलते केसीआर ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया था। इसलिए पूर्व के दो विधानसभा चुनावों से इतर इस बार उनकी पार्टी का चेहरा क्षेत्रीय दल से अलग नजर आएगा। 2014 और 2018 के चुनावों में क्षेत्रीय भावना हावी रही थी। पहले विधानसभा चुनाव में टीआरएस ने तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए जनादेश मांगा था, जबकि 2018 में राज्य की स्वर्णिम तेलंगाना में बदलने के लिए जनादेश मांगा था। इस बार तेलंगाना में बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला तय है। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 119 विधानसभा सीटों में से महज 19 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इन 19 विधायकों में से 12 विधायकों के टीआरएस में चले जाने के बाद कांग्रेस के विधायकों की संख्या महज सात रह गई थी। इसके बावजूद कांग्रेस नेताओं का दावा है कि राज्य में अब भी कांग्रेस पैठ है, जिसके चलते उसे जनादेश मिल सकता है। यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि कांग्रेस नेताओं का दावा कितना सही है, लेकिन पड़ोसी राज्य कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत की वजह से कांग्रेस का आत्मविश्वास बुलंदियों पर है। ओबीसी और दलित तबके को साधने के साथ कांग्रेस यहां भी लोक लुभावनी घोषणाओं का सहारा ले रही है।

प्रत्यूष

आतंकियों की पैरवी से कनाडा की किरकिरी

आग से खेल रहे ट्रूडो

कनाडा लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ लेकर दूसरे लोकतांत्रिक देश के अलगाववादियों और आंतकियों की पनाहगाह बना हुआ है। प्रधानमंत्री ट्रूडो के पूर्वाग्रही और गैर-जिम्मेदाराना आरोपों की वजह से भारत सरकार को जवाबी कड़े फैसले लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इतिहास गवाह है कि जिन देशों ने आतंकियों को पनाह दी, बाद में उसकी उन्हें बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी।

गौरव शर्मा

भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन विवाद का केंद्र है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस आरोप के बाद यह विवाद ज्यादा उग्र हो गया है कि ब्रिटिश-कोलंबिया में एक खालिस्तानी समर्थक नेता की हत्या के पीछे भारत का हाथ था। जब कि इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का कनेक्शन भी सामने आया है। भारत ने इस आरोप को दृढ़ता से अस्वीकार किया है। इस बयान से खालिस्तान का मुद्दा भी जुड़ा है, जिसके कारण पंजाब वर्षो आतंक की चपेट में रहा है।

कनाडा शुरू से ही भारतीयों का एक प्रिय ठिकाना रहा है, पर अगर अब आतंकियों या अलगाववादियों का ठिकाना बनना चाहता है, तो वह अपने लिए हास्यास्पद स्थिति ही पैदा करेगा। कनाडा की वर्तमान सरकार ने जिस तरह से नासमझी में जल्दबाजी दिखाई है, उसकी निंदा स्वयं कनाडा के ही संजीदा विद्वान व नेता कर रहे हैं। भारतवंशी कनाडाई नेता उज्जवल दोसांझ को सब जानते हैं, वह भी पंजाबी हैं, उन्होंने तो यहां तक सलाह दे डाली है कि अगर कनाडा सरकार को इतनी ही परवाह है, तो वह अपने यहीं एक खालिस्तान बना दे। सिर्फ सियासी मजबूरी की वजह से मौजूदा कनाडा सरकार अगर भारत विरोधियों की पक्षधर बन गई है, तो यकीन मानिए, उसने अपने ही देश को

मुश्किल में डाल दिया है।

कनाडा निवासी नामजद आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में किसी भारतीय एजेंसी की संलिप्तता है, तो कनाडा को इसके ठोस प्रमाण पेश करने चाहिए। एक वांछित आतंकी के प्रति कनाडा सरकार का लगाव बेहद निंदनीय है। यह भारत की संप्रभुता पर सीधे हमला है। भारत को तोड़ने का इरादा रखने वालों के प्रति किसी देश को भला क्यों हमदर्दी होनी चाहिए? ऐसे में, कनाडा के प्रति भारत की शुरुआती आक्रमकता आवश्यक व उचित है। कनाडा को कटूनीतिक स्तर पर जैसे को तैसा स्वरूप में करारा जवाब मिलना ही चाहिए। कनाडा में 2,30,000 भारतीय छात्र और 7,00,000 अनिवासी भारतीय रहते हैं। इतने लोगों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाना भारत सरकार की जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने उचित ही अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, और आगे भी स्थितियों पर चौकस निगाह रखनी चाहिए।

निज्जर की पिछले जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी जांच के लिए वहां एक कमेटी गठित हुई थी, इस कमेटी की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है, पर प्रधानमंत्री ट्रूडो ने भारत की 'संलिप्तता' की बात कर दी। निज्जर 'सिख फॉर जस्टिस' संगठन में नंबर दो की हैसियत रखता था। यह खुद को मानवाधिकार संगठन बताता है, पर वास्तव में यह भारत-विरोधी संगठन है, जिसके कारण 2019 में इसे नई दिल्ली ने प्रतिबंधित कर दिया था। निज्जर का अपना एक गुट भी था, जिसे वह 'खालिस्तान टाइगर फोर्स' बताया करता था। यह संगठन पिछले कुछ महिनों से कनाडा ही नहीं, अमेरिका, स्वीट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन जैसे देशों में 'पंजाब रेफरेंडम' चला रहा है, जिसमें पंजाब को स्वतंत्र खालिस्तानी राष्ट्र घोषित करने की मांग है। हाल ही में इसने कनाडा में कुछ भारतीय राजनयिकों के साथ-साथ हमारे प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री को भी धमकी दी है।

कनाडा में खालिस्तानियों की मौजूदगी काफी पहले से है। पिछली सदी के 70-80 के दशक में वे वहां गए और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर मिली छूट का भरपूर फायदा उठाया। 1985 में एअर इंडिया के

विमान में विस्फोट की कड़ी भी कनाडा की धरती पर सक्रिय खालिस्तानी गुट से जुड़ी थी, जिसमें 300 से ज्यादा लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। ऐसे गुट वहां खुद को 'सभ्य रूप' में परोसते हैं, इसलिए उनको सरकारी छूट मिल जाती है और उनकी सक्रियता जारी रहती है। पिछले कुछ अर्से से मौजूदा लिबरल पार्टी और जस्टिन टूडो की लोकप्रियता में गिरावट आई है। टूडो की लिबरल पार्टी 24 सदस्यों वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सहयोग से सत्ता में है। इसके नेता जगमीत सिंह हैं जिनकी खालिस्तान की मांग कर रहे लोगों के प्रति सहानुभूति है। टूडो सरकार खालिस्तान समर्थकों की अवांछित गतिविधियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की आड़ देकर प्रश्रय देती रही है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि खालिस्तानी तत्वों को पाकिस्तान की ओर से खास मदद मिलती रही है। अब कनाडा सरकार द्वारा उनकी पीठ थपथपाई जा रही है।

भारत ने कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग में अगली सूचना तक वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया है। भारतीय नागरिकों, कनाडा में पढ़ रहे छात्रों और देश की यात्रा की योजना बना रहे लागों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। भारत विरोधी आतंकियों ने कनाडा में रह रहे हिंदुओं को सीधे धमकी दी है। भारत के पड़ोस से दीक्षित-प्रशिक्षित इन आतंकियों की पीठ पर कनाडा का हाथ है, तो उनकी बोली आक्रामक हो गई है। कनाडा सरकार का व्यवहार संतुलित या न्यायपूर्ण नहीं है। अपने देश में नागरिक स्वतंत्रता को बहाल करना सही है, पर अपनी धरती पर सक्रिय आतंकियों के पक्ष में खड़े हो जाना किसी अपराध से कम नहीं है।

खाद्यान संकट

कनाडा के फूड बैंक की हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी के आंकड़ो में जबर्दस्त उछाल आया है। 28 लाख लोग गरीबी में जी रहे हैं, जबकि 70 लाख लोगों से पास खाने-पीने का संकट है। देश की 18 फीसदी आबादी खाद्यान्न संकट झेल रही है। इन समसयाओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए ही टूडो ने खालिस्तान और विदेशी हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया हैं।

गिरती साख

टूडो की गिरती लोकप्रियता को देखते हुए अब सिख सांसद और न्यू डेमोक्रेटिक नेता जगमीत सिंह भी उन पर हमलावर हैं, जिसका समर्थन पाने के लिए टूडो खालिस्तानियों का समर्थन करते आ रहे हैं। सिंह ने टूडो की आलोचना करते हुए कहा कि देश में आवास संकट के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्र जिम्मेदार नहीं बल्कि वे खुद हैं।

तनाव खत्म करें

विशेषज्ञ इस बारे में एकमत हैं कि भारत व कनाडा जितना जल्दी हो सके, आपसी तनाव को खत्म करें। दोनों देशों को विवादास्पद मुद्दों से आगे बढ़ते हुए सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। साझेदारी के लिए दोनों के पास बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं। इसलिए दोनों देशों को विवादों में उलझने की बजाय अवसरों का लाभ उठाने से चूकना नहीं चाहिए। कनाडा ने विवाद शुरू किया है। इसलिए यह जिम्मेदारी उसी की ज्यादा है कि दोनों के बीच पहले की तरह सामान्य संबंध हो जाएं।

दी डूंगरपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि., डूंगरपुर

प्रधान कार्यालय : न्यू कॉलोनी, डूंगरपुर- 314001

स्थापना: 1958 रजिस्ट्रेशन नं. 121 जे

दीपावली पर बैंक की ओर से समस्त सम्मानित ग्राहकों व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- समस्त शाखाएं कोर बैंकिंग सुविधायुक्त
- आरटीजीएस/एनईएफटी/एसएमएस अलर्ट/लॉकर्स सुविधाएं उपलब्ध
- मुख्यमंत्री ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना/राजस्थान ग्रामीण परिवार आजीविका ऋण योजना (2 लाख तक शून्य प्रतिशत ब्याज)/विभिन्न त्रण योजनाएं
- 5 लाख तक की जमाएं DICGC द्वारा बीमित

बैंक के समस्त खाताधारक खातों के निर्बाध संचालन हेतु नजदीकी शाखा से सम्पर्क कर आरबीआई नियमानुसार केवायसी पूर्ण करावें।

हमारी शाखाएं: सिटी शाखा डूंगरपुर, सायंकालीन डूंगरपुर, सागवाड़ा, खड़गदा, सीमलवाड़ा, धम्बोला, आसपुर, साबला एवं कनबा

प्रबंध निदेशक अध्यक्ष

भारतीय कृषि विकास में स्वर्णिम हस्ताक्षर थे स्वामीनाथन

भारत को कृषि आत्म निर्भरता की ओर ले जाने वाले महान वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन को हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1943 में बंगाल में भीषण अकाल देखकर उन्होंने खाद्यान की कमी दूर करने के उद्देश्य से कृषि की पढ़ाई शुरू की। उन्होंने किसानों और वैज्ञानिक साथियों की मदद से अनाज के संकट को दूर किया।

'हरित क्रांति' के प्रणेता को देश का प्रणाम

पंकज शर्मा

1960 में गेहूं और चावल की अच्छी उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने के लिए विश्व खाद्य पुरस्कार (1987) पाने वाले स्वामीनाथन पहले व्यक्ति थे। उन्हें दुनियाभर के विश्वविद्यालयों से डाक्टरेट की 84 मानद डिग्री प्राप्त दुई थी। वे 'रायल सोसायटी आफ लंदन' और 'यूएस नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज' समेत कई प्रमुख वैज्ञानिक एकेडमी के शोधार्थी रहे। वे 2007 से 2013 तक राज्यसभा सदस्य भी रहे। वे कृषि मंत्रालय में प्रधान सचिव (1979–80), योजना आयोग (1980–82) में कार्यवाहक उपाध्यक्ष और बाद में सदस्य (विज्ञान और कृषि) और फिलीपीन के अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में महानिदेशक (1982–88) पद पर भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 2010 से 2013 तक खाद्य सुरक्षा पर विश्व समिति के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ पैनल की अध्यक्षता भी की। कृषि के क्षेत्र में अफगानिस्तान और म्यांमा में चलाई जा रही परियोजनाओं पर नजर रखने का दायित्व भी उन्हें मिला था।

देश की हरित क्रांति में अहम योगदान देने वाले कृषि महावीर वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन (98) हमारे बीच नहीं रहे। आत्म निर्भर भारत के निर्माण में उनका अनुपम योगदान हमारी विकास यात्रा के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। कृषि में उनके अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगो केजीवन को बदल दिया और देश के लिए खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया। यह ऐसा वक्त था, जब दुनिया को लगा था कि भारत अपनी बड़ी आबादी का पेट नहीं भर पाएगा; क्योंकि अंग्रेज तो भारतीय कृषि व्यवस्था को खोखला कर ही गए थे। भारत न खाने योग्य आयातित अनाज पर निर्भर हो गया था, पर स्वामीनाथन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज वाली गेहूं और चावल की किस्मों पर सफलतापूर्वक काम करके कमाल कर दिया। हरित क्रांति की सफलता ने बहुत कम समय में देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया, अकाल से मुक्ति मिली, गरीब किसानों को भी लाभप्रद कृषि का तरीका आ गया। अनेक गांवों में खुशहाली आ गई। इन्हीं महान बदलावों के लिए स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। स्वामीनाथन ने 1943 में बंगाल में भीषण अकाल के दौरान भूख के कारण लाखों लोगों की मौत देखी और दुनिया से भूख मिटाने के लिए कृषि की पढ़ाई करने का निश्चय किया। उन्होंने दो स्नातक डिग्रियां हासिल कीं, जिनमें से एक कृषि महाविद्यालय, कोयंबटूर से थी। 1947 में वह अनुवांशिक और पादप प्रजनन की पढ़ाई करने के लिए दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) आ गए। उन्होंने 1949 में साइटोजेनेटिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।

बोरलॉग संग किया काम: स्वामीनाथन ने उच्च उपज देने वाली गेहूं की किस्मों को विकसित करने पर प्रसिद्ध अमेरिकी कृषि वैज्ञानिक और 1970 के नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर काम किया।

गेहूं-चावल की फसल को बढ़ावा: स्वामीनाथन को 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज देने वाली गेहूं और चावल की किस्मों के विकास और शुरुआत का नेतृत्व करने के लिए विश्व खाद्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उस वक्त देश अकाल की आशंका से ग्रस्त था। विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन के अनुसार कुछ ही वर्षों में गेहूं का उत्पादन दोगुना हो गया।

माना प्रतिभा का लोहा: स्वामीनाथन ने 60 के दशक में नोबेल विजेता नॉर्मन बोरलॉग को नव विकसित मैक्सिकन प्रजाति के बीज भेजने के लिए पत्र लिखा था। बोरलॉग भारत की परिस्थितियों का अध्ययन करने के बाद ही बीज भेजने के लिए सहमत हुए। बोरलॉग मार्च 1963 में यहां आए। उत्तर भारत के प्रमुख गेहूं उगाने वाले क्षेत्रों का दौरा करने के बाद उन्होंने

अक्तूबर 1963 में चार किस्मों के लगभग 100 किलोग्राम बीज भेजे। इन्हें 1963-64 में पंतनगर, कानपुर, लुधियाना और पूसा में परीक्षण क्षेत्रों में बोया गया। नवंबर 1964 में दिल्ली के जौंती गांव के किसानों ने दो किस्म का गेहूं बोया। उनमें अधिकांश ने चार टन और कुछ ने 4.5 टन प्रति हेक्टेयर फसल प्राप्त की। तब बोरलॉग ने स्वीकार किया था, गेहूं की कम ऊंचाई के पौधों को सबसे पहले पहचानने का बड़ा श्रेय स्वामीनाथन को जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो एशिया में हरित क्रांति नहीं होती।

विशेष स्मारक डाक टिकट: एमएस स्वामीनाथन ने भारत में हरित क्रांति का नेतृत्व किया। 1960 में उन्होंने उच्च उपज देने वाली किस्मों (एचवाईवी) गेहूं के बीज तैयार करने के लिए काम किया। स्वामीनाथन ने छोटे पैमाने के किसानों को यह सिखाने के लिए 1965 में देश के उत्तरी हिस्से में प्रदर्शनियों का आयोजन किया कि कैसे जेनेटिक रूप से विकसित फसलों से कम भूमि में उच्च उपज मिल सकती है। इन कोशिशों से किसानों ने अच्छे मानसून में उपजाये गए 1.2 करोड़ टन गेहूं के मुकाबले 1968 में 1.7 करोड़ टन अनाज उपजाया। अतिरिक्त 50 लाख टन पैदावार वास्तव में लंबी छलांग थी। यह गेहूं क्रांति बन गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जुलाई 1968 में विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया। आज अगर हमारे प्रधानमंत्री यह बोलने की स्थिति में हैं कि भारत दुनिया को खिला सकता है, तो निस्संदेह, इसका सर्वाधिक श्रेय स्वामीनाथन को ही जाता है। स्वामीनाथन जी के परिवार में तीन बेटियां हैं। एक बेटी सौम्या स्वामीनाथन विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक हैं।

स्वामीनाथन ने अपने पीछे एक समृद्ध विरासत छोड़ी है जो दुनिया को मानवता के लिए एक सुरक्षित और भूख-मुक्त भविष्य की ओर ले जाने में मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी।

*– **द्रौपदी मुर्मू**, राष्ट्रपति*

भारतीय कृषि में स्वामीनाथन के अभूतपूर्व योगदान ने लाखों किसानों की समृद्धि के साथ देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की।

*–**जगदीप धनखड़**, उपराष्ट्रपति*

कृषि क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान ने लाखों लोगों के जीवन को बदला। क्रांतिकारी योगदान से इतर, स्वामीनाथन नवाचार के 'पावरहाउस' और कई लोगों के लिए एक कुशल संरक्षक थे।

*–**नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री*

भारत को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में परिवर्तनकारी योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित स्वामीनाथन को हमेशा याद रखा जाएगा।

*–**मल्लिकार्जुन खड़गे**, कांग्रेस अध्यक्ष*

ALOK SANSTHAN

UDAIPUR
RAJSAMAND
CHITTORGARH

ALOK SENIOR SECONDARY SCHOOL

(Affiliated with C.B.S.E.) English Medium Co-Educational
Class Pre-Nursery to XII (Science/Commerce/Arts)

alokrajsamand@alokschool.org

@alokschoolrajsamand

@alokrajsamand

Administrator
Mr. Manoj Kumawat

Principal
Mr. Lalit Puri Goswami

Academic Counsellor
Mr. Dhruv Kumawat

Director
Dr. Pradeep Kumawat

Contact: Alok School, New Shiv Nagar Colony.
Jawad Byepass Road, Rajsamand Ph.: +91-9414232523

पहली बार जाति आधारित जनगणना के आंकड़े जारी

बिहार में पिछड़े 63 प्रतिशत से ज्यादा

बिहार सरकार ने 2 अक्टूबर को जातीय जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए। यह पहला राज्य है जिसने ऐसा किया है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, 13 करोड़ की आबादी वाले इस राज्य में पिछड़े-अति पिछड़े वर्ग की आबादी 63 फीसदी है, जबकि आंकड़े मात्र 15 प्र.श. हैं। राजनैतिक विश्लेषकों के मुताबिक जातिगत जनगणना का मुद्दा फिलहाल चुनावी औजार के रूप में काम करगा, जिसका असर 2024 के आम चुनाव पर भी पड़ सकता है।

उमेश शर्मा

बिहार ने जातीय गणना को मुकाम तक पहुंचाकर इतिहास रच दिया है। आजादी से पहले 1931 में इस प्रकार की गणना हुई थी, उस समय बिहार, झारखंड,उड़ीसा एक राज्य थे। 2011 में केन्द्र सरकार ने देश में सामाजिक-आर्थिक जनगणना कराई थी। लेकिन उसकी रिपोर्ट आजतक जारी नहीं हो सकी। 2011 के बाद दो राज्यों ने भी जातीय गणना कराई, लेकिन वह रिपोर्ट जारी नहीं कर सके। इस अर्थ में बिहार आजादी के बाद देश में पहला राज्य है जिसने न केवल जातीय, सामाजिक और आर्थिक गणना सफलतापूर्वक करा ली, बल्कि उसके जाति आधारित आंकड़ों की पहली किस्त भी 2 अक्टूबर को जारी कर दी। इस रिपोर्ट से इंडिया गठबंधन की देश में जाति आधारित जनगणना की मांग को बल मिलेगा। जातिगत जनगणना भाजपा को कतई रास नहीं आ रही है। इस मामले को वह केंद्रीय स्तर पर ज्यादा भाव नहीं दे रही है। हालांकि बिहार के भाजपा नेताओं ने इसकी खामियां जरूर बताई हैं। उनका कहना है कि इसमें वर्तमान सामाजिक और आर्थिक स्थितियां नहीं दिखाई गई हैं। 2024 के चुनाव में भाजपा सवर्ण वोट के दम पर ही अपना प्रदर्शन दोहराने का प्लान बना रही थी। हालांकि 2019 के मुकाबले इस बार स्थितियां काफी बदल गई हैं। 40 लोकसभा सीटों वाले बिहार में एनडीए ने नीतीश कुमार और लोक जनशक्ति पार्टी को साथ लेकर 39 सीटों पर कब्जा कर लिया था। हालांकि अब ऐसा करने के लिए उसे छोटे दलों की जरूरत होगी

किसकी कितनी आबादी (फीसदी में)

धर्म के आधार पर जनसंख्या

धर्म	आंकड़े (%में)	धर्म	आंकड़े (%में)
हिंदू	81.99	बौद्ध	0.0851
मुस्लिम	17.70	जैन	0.0096
ईसाई	0.057	अन्य धर्म	0.1274
सिख	0.011	कोई धर्म नहीं	0.0016

कांग्रेस बना रही चुनावी मुद्दा

पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस इसे चुनावी मुद्दा बना रही है। मध्य प्रदेश में पार्टी ने वादा किया है कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद जातीय गणना कराई जाएगी। कर्नाटक में सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने जातीय गणना पर कांग्रेस की प्रतिबद्धता का संकेत देते हुए 2015 की पिछड़ा वर्ग आयोग के जाति वार सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है।

जाहिर है, यह मुद्दा महज चुनावी उपकरण के रूप में काम करेगा, जिसका असर 2024 के आम चुनाव पर पड़ सकता है। इसकी भूमिका बनाई भी जाने लगी है। जातिगत सर्वे के आंकड़े जारी करने के कुछ ही देर बाद बिहार के उप-मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने यह कहकर गेंद केंद्र के पाले में डालने की कोशिश की कि अब जातिगत जनगणना कराई जानी चाहिए। आबादी में जिस जाति की जितनी हिस्सेदारी, राजनीति में उनकी उतनी भागीदारी जैसे राग भी अलापे जाने लगे हैं। कहा जाने लगा है, जब करीब

आबादी (तुलनात्मक)

1931 की तुलना में किसकी कितनी आबादी बढ़ी/घटी

जाति	1931	2022	अंतर
ब्राह्मण	4.7	3.65	-1.05
भूमिहार	2.9	2.87	-0.03
राजपूत	4.2	3.45	-0.75
कायस्थ	1.2	0.60	-0.6
यादव	11.0	14.26	3.26
कोईरी	4.1	4.21	0.11
कुर्मी	3.6	2.87	-0.73
बनिया	0.6	2.31	1.71
बढ़ई	1.0	1.45	0.45
धानुक	1.8	2.14	0.34
कहार	1.7	1.64	-0.06
कानु	1.6	2.21	0.61
कुम्हार	1.3	1.40	0.1
लोहार	1.3	0.62	-0.68
नाई	1.6	1.59	-0.01
मल्लाह	1.5	2.60	1.1
तेली	2.8	2.81	0.01
अनु.जा	14.1	19.65	5.55
अनुजजा	9.1	1.68	-7.42
मुस्लिम	12.5	17.70	5.2
सवर्ण	13.00	10.57	2.43

(आंकड़े प्रतिशत में। 1931 के आंकड़े बिहार , झारखंड और ओडिशा को मिलाकर। झारखंड के अलग होने के बाद बिहार में अनुसूचित जनजाति की आबादी घटी है।)

इन लोगों ने हमेशा गरीबों की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। वे पहले भी जात-पात के नाम पर लोगों को बांटते थे और आज भी यही पाप कर रहे हैं। विपक्ष के पास न सोच है और न कोई रोडमैप। जो राजनीति में उलझे हैं, उन्हे सिवाए कुर्सी के कुछ नजर नहीं आ रहा।

-नरेन्द्र मोदी

जिनकी जितनी आबादी है, उन्हें उनका उतना हक मिलना चाहिए। यही हमारा प्रण भी है।

-राहुल गांधी

जातिगत आर्थिक स्थिति को अब विकास का पैमाना बनाएंगे।

-नीतिश कुमार

जनता में भ्रम फैलाने के अलावा कुछ नहीं। नीतिश और लालू यादव के कार्यकाल में सरकार ने गरीबों का क्या उद्धार किया, कितनी नौकरी दी?

गिरिराज सिंह,
केंद्रीय मंत्री

15 प्रतिशत आबादी में सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ हासिल है, तो फिर 63 फीसदी हिस्सेदारी में ओबीसी को महज 27 फीसदी आरक्षण क्यों मिलना चाहिए ? इन सबसे यही लगता है कि विपक्षी पार्टियां अब इस मुद्दे को एक ऐसे हथियार के रूप में बदलने की कोशिश करेंगी, जिसके दम पर आम चुनाव के नतीजों में उलट-फेर किया जा सके।

बिहार में जातीय गणना के आंकड़े जारी होने के बाद पूरे देश में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। अगले आम चुनाव से पहले नीतीश सरकार के इस दांव का दोहरा असर होगा। इससे न सिर्फ बिहार, बल्कि केंद्र की राजनीति भी अछूती नहीं रह सकेगी। बिहार के समाज में भी एक किस्म की टकराहट बढ़ेगी। बिहार की राजनीति में बहुसंख्यवाद मुखर हो जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो उसका काउंटर प्रोडक्शन (प्रतिरोध प्रतिक्रिया) हो सकता है। काउंटर प्रोडक्शन के रूप में बहुसंख्यावाद के भय से और जातियां इकट्ठी हो जाएंगी, जो सामाजिक ताने-बाने के लिए बहुत अच्छी स्थिति नहीं मानी जा सकती इसका तीसरा असर केंद्रीय राजनीति में देखने को मिलेगा।

केंद्र की राजनीति में ओबीसी वोट लेने के लिए जदयू की भाजपा के साथ टकराहट शुरू होगी। लेकिन, यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि भाजपा भी अब ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं रह गई है। वह ओबीसी नेतृत्व वाली पार्टी बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद ओबीसी हैं। उनके कई मंत्री ओबीसी हैं। ओबीसी वर्ग को उन्होंने पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया भी है।

इस प्रकार गणना आधारित राजनीतिक लामबंदी से एकीकरण का भ्रम पैदा होता है, लेकिन वास्तव में एकीकरण होता नहीं है।

बिहार में जातिगत जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक हिंदू आबादी 81.99 फीसदी, मुस्लिम 17.70 फीसदी, ईसाई 0.05, सिख 0.01, बौद्ध 0.08, जैन 0.009 और अन्य धर्मो के लोग 0,12 फीसदी हैं। इसमें अति पिछड़ा वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा 36.01 फीसदी है। पिछड़ा वर्ग 27.12 फीसदी और अनुसूचित जाति की आबादी 19.65 फीसदी है। वहीं सामान्य वर्ग 15.52 फीसदी है। यह सामान्य वर्ग भाजपा का मजबूत वोट बैंक हुआ करता था। वहीं अति पिछड़ा वर्ग पर नीतिश कुमार की पकड़ है। कुछ राजनीतिक पंडितों का यह भी कहना है कि जातिगत जनगणना करवाकर आरजेडी और जेडीयू ने बड़ा गेम खेल दिया है। राज्य में हिंदू मुस्लिम की राजनीति को भी बड़ा झटका लग सकता है। भाजपा की पकड़ ओबीसी वोटों पर मजबूत नहीं है। ऐसे में भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। अगर विपक्ष जातिगत जनगणना को ही मुद्दा बना लेता है तो लोकसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान हो सकता है।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

कहां है मानवता और मानवाधिकार?

हमास के हमले से खतरे में विश्वशांति

नंदकिशोर

हमास और इजराइल के बीच टकराव का एक लंबा इतिहास रहा है। वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी, गोलन हाइट्स पर कब्जे को लेकर दो अलग-अलग पक्षों और पूर्वी येरूशलम में नागरिकता को लेकर दोहरी नीति आदि मसलों पर विवाद की जड़ से शुरू हुआ टकराव आज इस दशा में पहुंच चुका है कि इजराइल और फिलस्तीन आमतौर पर आमने-सामने ही रहते हैं। इजराइल की नीतियों और कई बार आक्रामक फैसलों को लेकर फिलस्तीन के विद्रोही गुट हमास की ओर से आक्रामक प्रतिवाद किया जाता है। विडंबना यह है कि इस मसले को हल करने या शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस पहलकदमी नहीं देखी जाती।

एक लंबे अर्से से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध जरा भी ठंडा नहीं पड़ा कि इसी बीच एक नया युद्ध शुरू हो गया है, जो दुनिया में नए संकट खड़े करेगा।

7 अक्टूबर की अल सुबह अचानक आंतकवादी संगठन 'हमास' ने इजराइल पर बड़ा हमला बोल दिया। जिसमें हजारों मिसाइलों का इस्तेमाल कर सैकड़ों लोगों को मौत की नींद सुला दिया गया। स्वाभाविक भी था कि इजराइल ने भी कुछ समय लगाकर पूरी तैयारी के साथ फिलिस्तीनी आंतकवादी संगठन के हमले का जवाब गाजा पट्टी में अंधाधुंध राकेट दाग कर दिया जिसमें सैंकड़ो स्त्री-पुरूष और बच्चें मारे गए। हजारों घर तबाह हो गए।

हमास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिए जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं अधिक गहरे घाव कर सके? मोसाद बनाम हमास की लड़ाई मानो एक व्यवसाय बन गई है। दुनिया के चतुरतम देशों में शुमार इजराइल आखिर सबक क्यों नहीं लेता? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होता? आज उसे स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए। आज दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो इजरायल को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के आकाश से बारूद के बादल हमेशा के लिए हटाए जा सकें।

इजराइल पर हमास के हमले के बाद भारत ने अपना रूख स्पष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इजराइल के प्रधानमंत्री से फोन पर बात कर उन्हें आश्वस्त किया कि भारत उनके साथ खड़ा है। भारत का यह रूख सिर्फ इसलिए नहीं है कि इजराइल से उसके रिश्ते काफी मजबूत हैं और दोनों के व्यापारिक संबंध लगातार प्रगाढ़ होते गए हैं। बल्कि इस समय भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह दुनिया में कहीं भी और किसी भी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ है।

हालांकि इजराइल ने हमास के इस हमले को युद्ध कहा और उस पर पलटवार करते हुए पूरे गाजा क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। उसने हमास को नेस्तनाबूद करने का संकल्प दोहराया है। इस हमले के बाद दुनिया भर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस्लामी देशों के लामबंद होने और इजराइल के खिलाफ बड़े युद्ध की आशंका भी जताई जा रही है। अमेरिका ने इजराइल को मदद भेजनी शुरू कर दी है। ऐसे में फिर से दुनिया दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। मगर दुनिया के तमाम देशों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं और वे सुरक्षा से अधिक अपने व्यापारिक रिश्तों को अहमियत देते देखे जा रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि फिलस्तीन के

समर्थन और इजराइल के विरोध में कोई बड़ी लामबंदी नहीं हो सकती। चूंकि हमास को ईरान की शह मिली हुई है, इसलिए उसके इजराइल के खिलाफ मैदान में उतरने की संभावना अधिक जताई जा रही है। मगर वैश्विक मंच पर आज कोई ऐसा देश नहीं है, जो इस तरह किसी आतंकी संगठन के पक्ष में उतरना चाहेगा। इजराइल की दुश्मनी फिलस्तीन से है। फिलस्तीन के हिस्से की जमीन इजराइल ने हथिया रखी है। इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी सुलझाने का प्रयास किया गया, मगर इजराइल के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। कोई भी लोकतांत्रिक देश इस तरह किसी देश के भूभाग पर कब्जा करने के प्रयासों को उचित नहीं ठहरा सकता। इसीलिए भारत भी शुरू से फिलस्तीन का पक्षधर रहा है। अब भी वह इजराइल के साथ जरूर है, मगर फिलस्तीन के हक के खिलाफ नहीं है।

गौरतलब है कि हमास और इजराइल के बीच टकराव का एक लंबा इतिहास रहा है। वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी, गोलन हाइट्स पर कब्जे को लेकर दो अलग-अलग पक्षों और पूर्वी येरूशलम में नागरिकता को लेकर दोहरी नीति आदि मसलों पर विवाद की जड़ से शुरू हुआ टकराव आज इस दशा में पहुंच चुका है कि इजराइल और फिलस्तीन आमतौर पर आमने-सामने ही रहते हैं। इजराइल की नीतियों और कई बार आक्रामक फैसलों को लेकर फिलस्तीन के विद्रोही गुट हमास की ओर से आक्रामक प्रतिवाद किया जाता है। विडंबना यह है कि इस मसले को हल करने या शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस पहलकदमी नहीं देखी जाती। इसलिए हमास के हमले और उसके जवाब में इजराइल की प्रतिक्रिया का नतीजा क्या निकलना है, यह समझा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के नतीजे में केवल प्रभावित इलाकों के नागरिक ही मुश्किल में नहीं है, बल्कि अनाज की आपूर्ति से लेकर अन्य संबंधित मामलों और कारोबार पर भी इसका असर पड़ा है। दुनिया के कई देशों को इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब इजराइल और हमास के टकराव के बाद भी युद्ध के जटिल हालात खड़े होते हैं, तो उसका हासिल सिर्फ एक नई त्रासदी ही होगी। युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है।

वर्ष 2021 के दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से होंगी सम्मानित। पिछली सदी के साठ के दशक की समकालीन नायिकाओं से इतर वहीदा रहमान ने अपने फिल्मी करियर में अक्सर ऐसी फिल्में चुनीं, जिनमें उनकी भूमिका के कई शेड्स होते थे।

संवेदना और सौंदर्य की परी हैं वहीदा रहमान

रेणु शर्मा

यह वाकई सुखद संयोग था कि देश जब हरदिल अजीज अभिनेता देव आनंद की जन्मशती मना रहा था, ठीक उसी दिन (26 सितंबर) उनकी कालजयी फिल्म गाइड की नायिका वहीदा रहमान (85)को भारतीय सिनेमा का शिखर सम्मान 'दादा साहब फाल्के' देने की घोषणा केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने की। पिछले दिनों उन्हें यह सम्मान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि वहीदा रहमान और देव साहब की जोड़ी रूपहले परदे पर लंबे समय तक छाई रही। दोनों ने सात फिल्में साथ-साथ की थीं, जिनमें से पांच जबर्दस्त हिट रहीं। वहिदा ने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'सी आई डी' से लेकर आखिरी फिल्म 'स्केटर गर्ल' तक का लंबा फिल्मी सफर तय किया। उन्होंने 'प्यासा','गाइड','कागज के फूल','खामोशी' और 'त्रिशूल' समेत कई फिल्मों में शानदार अभिनय किया। वहीदा ने 1955 में तेलुगु फिल्मों 'रोजुलु मारायी' और 'जयसिम्हा' से अभिनय के क्षेत्र में करियर शुरू किया था। उन्होंने 1956 में 'सी आईडी' फिल्म से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। शादी के बाद भी

वह काम करती रहीं। 1976 में वह अमिताभ बच्चन के साथ 'कभी-कभी' में दिखाई दीं तो दो साल बाद ही उन्होंने 'त्रिशूल' में और फिर 1982 में 'नमक हलाल' में बच्चन की मां का किरदार अदा किया। बाद में वह परिवार के साथ बेंगलुरू में बस गईं। में वहीदा का जन्म भारत के तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में हुआ था। उन्होंने और उनकी बहन ने चेन्नई में भरतनाट्यम सीखा। जब वे किशोरावस्था में थीं, तब उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। वहीदा रहमान ने पांच दशक से अधिक के अपने करिअर में विभिन्न भाषाओं में 90 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें 'रेशमा और शेरा' (1971) में उत्कृष्ट अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। साल 2021 के लिए भारतीय सिनेमा क्षेत्र का यह सर्वोच्च पुरस्कार 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल में वहीदा

वहीदा रहमान जी को दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किए जाने से प्रसन्नता हुई। भारतीय सिनेमा में उनके सफर ने अमिट छाप छोड़ी है। उन्हें बधाई।

-नरेंद्र मोदी, पीएम

रहमान की करीबी और पिछले साल इस सम्मान की विजेता आशा पारेख, अभिनेता चिरंजीवी, परेश रावल, प्रसन्नजीत चटर्जी और फिल्मकार शेखर कपूर थे। वहीदा जी की शख्सियत का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि फिल्मों में उन्होंने अपनी शर्तो पर ही काम किया और इसमें उनकी परवरिश का बड़ा योगदान रहा। बचपन में जब वह भरत नाट्यम सीख रही थीं, उनके जिला मजिस्ट्रेट पिता से किसी रिश्तेदार ने शिकायती अंदाज में कहा था, मुसलमान होकर बेटी को नचाओगे? तरक्कीपसंद पिता का जवाब था, कला कोई बुरी नहीं होती, इंसान बुरे होते हैं। वह देश-बंटवारे के ठीक बाद का दौर था। किन्हीं आशंकाओं या टोटकों की वजह से अभिनेताओं-अभिनेत्रियों के नाम बदल दिए जाते थे, वहीदा ने इसी शर्त पर फिल्म साइन की कि उनका नाम नहीं बदला जाएगा और अपने लिबास भी वह खुद तय करेंगी। गुरूदत्त ने बला की खूबसूरत इस स्वाभिमानी बाला की शर्त सहर्ष मान ली थी। वहीदा इस मायने में भी बड़ी अदाकारा हैं कि वह कभी फिल्मों की सफलता का श्रेय लूटने की होड़ में नहीं रही। आधी सदी से अधिक के अभिनय करियर में कई फिल्मों के लिए वहीदा हमेशा सराही जाएंगी, मगर उनके अभिनय के पूरे वितान को तीन फिल्मों- *गाइड, तीसरी कसम* और *खामोशी* से समझा जा सकता है। गाइड की 'रोजी' का किरदार तो जैसे स्त्री मुक्ति का उद्घोष है। तरह-तरह की पाबंदियों और वर्जनाओं को तोड़ने की उत्कंठा किस दौर की स्त्री की नहीं रही? जब वहीदा ने परदे पर आज फिर जीने की तमन्ना है, आज फिर मरने का इरादा है को चरितार्थ किया, तो जैसे समूचे नारी समाज की दमित इच्छा को अभिव्यक्ति मिल गई थी। आज जब स्त्री मुक्ति का विमर्श नए-नए रूपों में हमारे सामने है, बल्कि कई बार यह बेहद अशोभनीय रूप में सामने आता है, तब रोजी का किरदार हमें एक शालीन राह दिखाता है। फणीश्वरनाथ रेणु की मारे गए गुलफाम कहानी पर बनी तीसरी कसम की 'हीरा बाई' के किरदार को भी कैसे भुलाया जा सकता है? 85 साल की वहीदा रहमान को मिला फाल्के सम्मान अनगिन कलाकारों को प्रेरित करेगा।

दौहे

पैसा ही दिवाली है

कलियुग में पैसे बिना, कब जी पाते लोग।
हर इंसा को लग गया, पैसे का यह रोग।।
पैसे को ही पूजते ; दुनियाँ के सब लोग।
पैसे से इन्सान का ; जन्म-जन्म का योग।।
पैसे से बढ़कर नहीं, इस दुनियाँ में खास।
सुखी वही इन्सान है, पैसा जिसके पास।।
बिन पैसा बैचेन दिल, रहता चित्त उदास।
मिल जाये पैसा कहीं, करता लाख प्रयास।।

पैसे से इन्सान ने, कर ली गहरी प्रीत।
सारी दुनियाँ को लिया, पैसे के बल जीत।।
पैसे से ही चल रहा, दुनियाँ का हर काम।
पैसा ऐसी चीज है, दुनियाँ करे सलाम।।
मन को मोहित कर, दिल में किया मुकाम।
पैसे का तो बन चुका, सारा जगत् गुलाम।।
पैसे को ही अत्यधिक, दिया जा रहा मान।
सारी दुनियाँ गा रही, पैसे के गुणगान।।

पैसे पर ईमां धरम, सच्चाई पर कुर्बान।
जाँ भी देने के लिये तत्पर है इन्सान।।
माया रूपी जाल में, जकड़ा बुरी तरह इन्सान।
डूबा हुआ आकंठ ज्यों, माया ही है भगवान।।
माया कहे इन्सान से, तू क्यों पकड़े मोय।
माया का चक्कर बुरा, सारी दुनिया रोय।।

-डॉ. जयप्रकाश भाटी 'नीरव'

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

卐 ॐ जय भोलेनाथ 卐

खाली बोतलें, काँच शीशी, पेपर रद्दी, ओल्ड स्क्रेप एवं अन्य डिस्पोजल वस्तुओं के क्रेता एवं विक्रेता

विजय पंजवानी (विजु भाई)
मो. 7737746140, 9950271626
राकेश पंजवानी
मो. 9352524901, 7568267951

श्रीराम ओल्ड स्क्रेप

यूआईटी, शॉप नं. 8-9, आई.ओ.सी. डिपो के सामने, हिरणमगरी सेक्टर 11, उदयपुर

सर्दियों की उदासी से बचने के हैं उपाय

बदलते मौसम का प्रभाव हमारे शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। सर्दियों में धूप कम निकलती है, जिससे शारीरिक सक्रियता मंद हो जाती है। इसका पूरा असर हमारे मूड पर भी पड़ता है। सर्दियों की इस उदासी को 'विंटर ब्ल्यूज' कहा जाता है।

मनोज कुमार शर्मा

विंटर ब्ल्यूज होने का सबसे प्रमुख कारण प्राकृतिक रोशनी की कमी है। यह रोशनी कम मिलने से हमारे शरीर की जैविक घड़ी बिगड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है कि प्राकृतिक रोशनी विभिन्न हार्मोनों को प्रभावित करती है, जो हमारी जागने और सोने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं।

सर्दियों में जब प्राकृतिक रोशनी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होती, तब हमारा मस्तिष्क जागते हुए भी बहुत अधिक मात्रा में स्लीप हार्मोन मेलेटोनिन का उत्पादन करता है, जिससे हम थका हुआ और उनींदा महसूस करते हैं। इसके अतिरिक्त, सेरेटोनिन के स्तर में भी कमी आ जाती है।

यह हार्मोन हमारा मूड अच्छा रखता है, भूख कम करता है और हमें चौकस व जागृत रखता है। सेरेटोनिन का स्तर कम होने से गुस्सा, अवसाद और उत्तेजना का शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है। इसे सीजनल अफेक्टिव मामलों में ये अपने आप ही ठीक हो जाता है। जैसे-जैसे दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं, वैसे-वैसे लक्षणों में कमी आने लगती है। अगर समस्या गंभीर है तो उपचार कराना जरूरी है।

जल्दी उठें

सबसे जरूरी है कि आप प्राकृतिक रोशनी में अधिक से अधिक समय बिताएं। सर्दियों में दिन छोटे होते हैं, इसलिए आप जितनी जल्दी उठेंगे, प्राकृतिक रोशनी के संपर्क में उतने ही अधिक रहेंगे। इसके अलावा, धूप में रहने से विटामिन डी भी मिलता है, शरीर में विटामिन डी की कमी डिप्रेशन की आशंका बढ़ा देती है। सर्दियों में सप्ताह में तीन बार 2 से 4 घंटे का धूप में रहें।

नियमित व्यायाम करें

मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए प्रतिदिन कम-से-कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें। व्यायाम करने से हमारा शरीर फील गुड हार्मोन एड्रेनलिन और कार्टिसोल के स्तर को बेहतर तरीके से नियंत्रित रखता है। साथ ही, जितने अधिक हम फिट होगें, शरीर में प्राकृतिक रूप से फील गुड हार्मोन एंडोरफिन का स्तर उतना अधिक बेहतर होगा।

रखें खानपान का ध्यान

सर्दियों में भोजन में सोया और दुग्ध उत्पादों, सूखे मेवे, अंडे, मांस और चिकन की मात्रा बढ़ा दें। थकान का एक कारण मैग्नीशियम की कमी भी हो सकता है। बादाम, काजू जैसे सूखे मेवों का सेवन करें। दिन में तीन बार 'मेगा मील' खाने की बजाय पांच या छह बार 'मिनी मील' खाएं। इससे शुगर का स्तर कम नहीं होगा, जो मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

ध्यान करें

मानसिक शांति के लिए ध्यान करें। वैज्ञानिकों ने भी साबित किया है कि ध्यान अवसाद, उत्तेजना, अनिद्रा में बहुत उपयोगी है। ध्यान सेरिब्रल कोरटेक्स की मोटाई और मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संपर्कों को बढ़ाता है। इससे मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बेहतर होती है।

टहलना जरूरी

ऑफिस या घर में बंद न रहें। आप जितना अधिक चहारदीवारी में रहेंगे, प्राकृतिक प्रकाश के प्रति एक्सपोजर उतना ही कम होगा और कृत्रिम प्रकाश के प्रति उतना ही बढ़ेगा। इससे बचने के लिए दोपहर में खाना खाने के बाद थोड़ी देर टहलें। कोई मीटिंग है, तो वॉक एंड टॉक करें, अगर संभव हो। कुछ समय प्रकृति संग बिताएं, ताकि अवसाद दूर हो व ताजगी महसूस हो।

स्क्रीन के सामने कम समय बिताएं

गैजेट का प्रयोग कम करें। लगातार स्क्रीन को घूरने से मस्तिष्क में रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। रात को सोने से दो घंटा पहले गैजेट का प्रयोग करना बंद कर दें।

थकान महसूस हो तो सैर पर जाएं

जब भी आप थकान महसूस करें, सैर को निकल जाएं या कोई व्यायाम करें। कई लोग सोचते हैं कि थकान होने पर व्यायाम करने से तो शरीर और थक जाएगा, पर यह सोचना गलत है। इससे ऊर्जा के स्तर में वृद्धि होती है।

'स्लीप साइकिल' बनाएं

सर्दियों में भी अपने सोने और उठने का समय न बदलें, ताकि आपके शरीर की लय न गड़बड़ाए। अपने शरीर की आवश्यकता के अनुसार 6 से 8 घंटे की नींद लें। संभव हो तो दोपहर में भी 10-15 मिनट की झपकी लें।

सामाजिक बनें

सर्दियों में बिस्तर में दुबके न रहें। घर से बाहर निकलें। दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं। जो लोग सामाजिक रूप से सक्रिय होते हैं, उनके अवसाद की चपेट में आने की आशंका कम होती है।

किन्हें है अधिक खतरा

- जो लोग पहले से ही अवसाद के शिकार हैं।
- जिन्हें डायबिटीज या हाइपोथायरॉइडिज हैं।
- जो कफ प्रकृति के हैं।
- जो मानसिक बीमारियों के शिकार हैं।
- जो लोग शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं रहते।

Anoop Srivastava
Director, 94141 68643

Happy Diwali

Ajay Kumar
Director, 98290 42643

PRINCE ENTERPRISES

(Winner of Best Corporate Partner 2009 & 2022

Authorised Channel Partner /Showroom

Canon COPIER-FAX PRINTERS SCANNER | DELL | Lenovo | BenQ LCD PROJECTOR | hp Invnet

RED TOWER
32, Gurudwara Road, Delhi Gate, Udaipur 313 001
Ph.L 0294-2415643, 2425898 E-mail: princeudr1@gmail.com
website: www.princeenterpriseuudaipur.com

दिल के तल में आनंद का स्त्रोत

आनंदमग्न होने से हमें कौन रोक सकता है? कोई भी नहीं, क्योंकि सुख-दुख भले शरीर से जुड़े हों, आनंद का सम्बंध अंतरात्मा से है। कैसे जगाएं अपना आत्म, तलाशते हैं- इस प्रश्न का उत्तर!

डॉ. अनिता कपूर

क्या आपने कभी सत्ता के शीर्ष पर आसीन व्यक्ति को सारी परंपराएं भूलकर जश्न मनाते देखा है या फिर ऐसे ही बीते समय में सर्वाधिक शक्तिशाली रहे लोगों को सामान्य जन की तरह फुरसत के लम्हे बिताते पाया है। वैसे, ऊंचाई पर मौजूद इंसान ही क्यों, आम आदमी भी जीवन के झंझावात में फंसा रह जाता है, उसे उत्साहित और आनंदित होते हमने कम ही पाया है। इसका प्रमुख कारण है - संकोच, यानी लोग क्या कहेंगे, और ये भी कि हम स्वयं को रोजमर्रा के जंजाल से मुक्त नहीं कर पाए हैं।

आनंद-सरोवर में डूबने के क्षण कम मिलते हैं, लोग सुख-दुःख में उलझे रह जाते हैं, जबकि सच तो ये है कि पीड़ा और खुशी का संबंध मन और शरीर से है, वहीं आनंद का रिश्ता अंतरात्मा से। एक बार आनंद-घट मिल जाए तो उसे छोड़ना नहीं चाहेंगे। प्रश्न ये है कि आनंद की प्राप्ति हो कैसे? सीधा सा तरीका है - स्वयं से प्रेम करें और दूसरों में प्रेम बांटें। ईश्वर ने सबको बनाया है, उनके हाथों निर्मित जीवों से प्रेम कर हम दरअसल, ईश्वर से ही प्रेम कर रहे होते हैं और इस तरह आनंद प्राप्ति के पथ पर अग्रसर हो पाते हैं। कभी एकांत में शांतचित्त बैठकर चिंतन-मनन और आत्म-निरीक्षण करें तो निश्चय ही आनंद की अनुभूति होगी। ऐसे ही तुच्छ सफलताओं से दूर रहने का सामर्थ्य स्वयं में जागृत करना चैतन्यता की अंतिम अवस्था है महापुरुषों ने सच ही कहा है - सुख हमारे भीतर है, बाहर कुछ नहीं मिलता। ये सोचना अज्ञान के सिवा और कुछ नहीं कि अमुक वस्तु में. सुख है और किसी अन्य चीज में दुख, जबकि वास्तविकता ये है कि हम उस वस्तु को निमित्त बनाकर अपने ही अंदर के महासागर के सुख का क्षण भर अनुभव करते हैं।

ऐसे पाएं खुशी...

जो नि:संग और निर्लिप्त हैं, जिसके मन में आकांक्षा और उत्साह है, जो कर्म की सिद्धि-असिद्धि व लाभ-हानि से ज्यादा देर विचलित नहीं रहता, वही असली खुशी को प्राप्त कर सकता है। खुशी हासिल करना सकारात्मक विचारों पर निर्भर करता है। जब तक मन काबू में नहीं रहेगा, हम अपने दुखों और लालसा का कारण स्वयं बने रहेंगे। याद करें - गीता में तीन योगों का जिक्र है...कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग। इन तीनों को जीवन में पूरी तरह से उतारकर ही कोई आनंद का भागीदार हो सकता है।

आनंद के मार्ग

गांधी जी के चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट तैरती रहती थी। वे हास्य-विनोद में शामिल रहते। किसी ने उनसे पूछा कि आप बार-बार हंसते क्यों रहते हैं? बापू ने जवाब दिया - हंसेंगे नहीं। तो जिएंगे कैसे? सचमुच, हंसी पर जिंदगी कायम है। हां, इसका ध्यान रखना जरूरी है कि हंसी सकारात्मक हो व्यंग्य आधारित न बन जाए। ऐसा संभव हुआ, तब हंसी के आध्यात्म से चेहरे पर मिठास और खुशी बरसेगी, वाणी और व्यवहार में रस... और जाहिर है कि इस रस और मिठास को मेल भीतरी. संतोष को जागृत कर देगा। हंसी के अध्यात्म को आत्मा का विज्ञान ('साइंस ऑफ सोल')इसीलिए कहा गया है। ये नकद का धर्म है, यहां उधार का कोई किरदार नहीं। हंसी चुंबक है, जो सामने वाले के भीतर छुपी खुशी को अपनी और खींचकर उसे भी समानधर्मी बना देती है और जीवन का कंप्यूटर रि-बूट हो जाता है।

तौर-तरीके बदलें, चीजें नहीं

अपने अंतस में मौजूद प्रतिकूलताओं को विभिन्न परतों से गुजारते हुए अनुकूल बनाना ही जीवन की सच्चाई है। यदि उस स्त्रोत तक पहुंच गए, तब किसी तरह का बदलाव पीड़ित या प्रभावित नहीं करेगा। हम संतोष हासिल करने के लिए चीजों को जल्दी-जल्दी बदलना चाहते हैं, लेकिन अपने तौर-तरीकों में परिवर्तन नहीं लाते। आइंस्टाइन ने इस तरह से जीवन जीने को मूर्खतापूर्ण कहा है। बुद्ध भी कहते हैं कि कुछ मत करो, सिर्फ अपने वर्तमान को विवेकपूर्ण ढंग से जियो .... खुशियां और आनंद स्वत ही आएंगे। यही जीवन का सार है कि अपने मित्र खुद बन जाएं। स्वार्थ से दूर रह कर्मयोगी बनें। अपेक्षाएं कम कर देने के बारे में ज्यादा सोचें।

मन का सामर्थ्य....

संयुक्त राष्ट्र द्वारा योग को मान्यता देने के बाद अब इस मार्ग से तन और मन की शक्ति बढ़ाने का उपक्रम पूरी दुनिया कर रही है। याद दिला दें, मनुष्य के पास कुछ शक्तियां जन्मजात होती हैं, उन्हें अभ्यास के शस्त्र द्वारा और मजबूत बनाया जा सकता है,. वहीं खामियों पर काबू करना भी संभव है। मन के विचलन को दूर करने का अभ्यास प्रमुख है, क्योंकि एक बार मन अखंड हुआ तो सारी समस्याएं, नकारात्मक सोच - सब कुछ खत्म। मन की अखंडता के कारण ही हम सुख की चरम सीमा हासिल कर पाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने कैलिफोर्निया में दिए भाषण में कहा था कि मन का सामर्थ्य विकसित हो जाए तो दूसरे मनुष्य के विचार-संदेश को ग्रहण कर आनंद और खुशी का आदान-प्रदान संभव है। योग की तरह रचनात्मक-आध्यात्मिक आंदोलन को संसार भर में बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत यही सलाह दी जाती है कि चाहे जैसी भौतिक शक्ति आपके पास हो या जिम्मेदारियां और चुनौतियां सामने खड़ी हों - एक निश्चित समय के बाद उन्हें बोझ न समझें, उनके बीच ही खुशी तलाशें। दुनिया भर का बोझ सिर पर उठाएं रखने की जगह जिम्मेदारी और दुनियादारी को कलात्मक रूप से निभाएं। देखिए, आनंद की बारिश यकायक होने लगेगी और मन देर तक उसमें डूबा रहेगा।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार एवं अनेक पुरस्कारों से सम्मानित)

Happy Diwali

Meenakshi GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

नए संसद भवन में रचा गया नया इतिहास

कई वर्षों से लम्बित महिला आरक्षण विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया जाना राजनीति का चेहरा बदलने वाली एक ऐसी मुहिम का हिस्सा है, जिसका देश को लम्बे समय से इन्तजार था। 'नारी शक्ति वंदन' नामक इस विधेयक को 29 सितम्बर को राष्ट्रपति से भी मंजूरी मिल चुकी है। अब यह कानून बन चुका है और नए परिसीमन के बाद निर्वाचित सदनों में महिलाओं के लिए 33 प्र.श.स्थान आरक्षित हो जाएंगे।

अमित शर्मा

पुराने संसद भवन से नए भवन में आकर सबसे पहले सरकार द्वारा महिला आरक्षण विधेयक पारित करना ऐतिहासिक है। भारतीय संविधान वाकई प्रगतिशील स्वभाव का है, जो यह मानता है कि संविधान के जरिये ही हम समाज की असमानता दूर करेंगे। परिसीमन के बाद ही यह लागू होगा और परिसीमन से पहले जनगणना होगी। मतलब, 2026-27 के बाद ही यह लागू हो सकेगा। आगामी लोकसभा चुनाव में नहीं, उसके अगले लोकसभा चुनाव 2029 में ही महिला आरक्षण का सपना साकार हो पाएगा। यह मोदी सरकार का एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक के पारित होने से न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण महिलाएं भी उत्साहित हो सकती हैं। इससे देश का राजनीतिक चेहरा बदलेगा और समाज प्रभावित होगा। बहुत से लोग मानते हैं कि यह सदी महिलाओं की होने वाली है। महिला आरक्षण की आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि भारत एक पितृसत्तात्मक समाज है और आशातीत विकास के बाद भी महिलाओं को वह स्थान नहीं मिल सका है, जो उन्हें मिलना चाहिए। यह अच्छा है कि विधेयक में 15 वर्ष बाद इसकी समीक्षा का प्रावधान है। यह सर्वथा उचित है, क्योंकि इसकी तह में जाना ही चाहिए कि नारी उत्थान के लिए जो व्यवस्था की जा रही है, उससे वांछित लाभ अर्जित हो पाया या नहीं ? हर किस्म के आरक्षण की समीक्षा इसलिए होनी चाहिए, ताकि यह जाना जा सके कि पात्र लोगों को उसका सही लाभ मिल रहा है या नहीं ? यह जानना इसलिए और भी आवश्यक है, क्योंकि यह देखने को मिल रहा है कि पंचायतों में आरक्षण के चलते महिलाओं की भागीदारी तो बढ़ी लेकिन कई जगह उनके दायित्वों का निर्वहन उनके पति या पिता कर रहे हैं। अब जब लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के समुचित प्रतिनिधित्व की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है, तब यह भी देखा जाना चाहिए कि राजनीति से इतर क्षेत्रों में भी महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़े। अब राजनीतिक दलों को चुनावी टिकट बांटते हुए अपनी सोच और नीतियों में व्यापक बदलाव लाना होगा। विधानसभाओं और संसद के अंदर का परिदृश्य पूरा बदल जाएगा। अभी तक जो महिलाएं संसद में पहुंचती रही हैं, उनमें से ज्यादातर अभिजात्य वर्ग से आती हैं, लेकिन 33 प्र.श. महिला आरक्षण लागू होने से समाज की दबी-कुचली महिलाएं ज्यादा संख्या में ऊपर आएंगी। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करवाने की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी, जब स्थानीय निकायों के चुनाव में उनकी सरकार ने एक तिहाई सीटें आरक्षित करने की बात की थी, लेकिन वह विधेयक उनके प्रधानमंत्रित्व काल में राज्यों के विरोध के कारण पारित न हो सका। नरसिंह राव के कार्यकाल में वह विधेयक पारित हुआ। इसमें स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई। बिहार ने तो महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक सीटें आरक्षित कर दीं।

लगभग बंद थे दरवाजे

आजादी के बाद से संसद में करीब 7,500 सदस्यों का प्रतिनिधित्व हुआ, जिनमें महिलाओं की संख्या करीब 600 रही। यानी 8 प्रतिशत से भी कम। लोकसभा में अभी सर्वाधिक 15.21 प्रतिशत यानी 82 महिला सदस्य हैं। राज्यसभा में 13.23 प्रतिशत यानी 31 महिला सदस्य। इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिला सांसदों का औसत 26 प्रतिशत है। अभी किसी विधानसभा में 15 प्रतिशत महिला छत्तीसगढ़ में, 13.70 प्रतिशत बंगाल में, 12.35 प्रतिशत झारखंड में, 12 प्रतिशत राजस्थान में,11.66 प्रतिशत उप्र में तथा दिल्ली और उत्तराखंड में 11.4 प्रतिशत है। कर्नाटक जैसे बड़े राज्य में महिला विधायक 3.4 प्रतिशत है। जबकि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए छाप छोड़ रही हैं, नए-नए क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, लेकिन राजनीति ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां उनके लिए दरवाजे तकरीबन सुनियोजित ढंग से खोले नहीं गए थे या बंद थे।

HAPPY DEEPAVALI

HOTEL RAJKAMAL INTERNATIONAL

FOR EXCLUSIVE COMFORT & LUXURY STAY

123, By Pass Road, Bhuwana, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2440085, 2440770

Mob.: 08302614326, 09829113316

Email-rajkamaludr@gmail.com, www.hotelrajkamal.com

ठंड में फायदेमंद गर्म पानी

सर्दी के मौसम में एक छोटा सा बदलाव कर आप बड़े से बड़े रोग को मात दे सकते हैं। ऐसा ही एक बदलाव है गर्म पानी। गर्म पानी पीने से आप सर्दियों में सांस और गले से संबंधित रोगों से दूर रहते हैं।

ठंडा पानी पीने में तो अच्छा लगता है लेकिन वो अपच करता है। जबकि गर्म पानी सेहत के लिए काफी लाभकारी होता है और आयुर्वेद में तो इसे दवाई की तरह बताया गया है। गर्म पानी से नहाने से न सिर्फ थकान दूर होती है बल्कि त्वचा को निखारने और त्वचा संबंधी बीमारियों को दूर करने में भी मदद मिलती है।

गर्म पानी सौंदर्य और स्वास्थ्य दोनों ही दृष्टि से उपयोगी है। अगर गर्म पानी में, गुलाब जल डालकर नहाएं तो शरीर में हो रहे दर्द में काफी आराम मिलता है। हाथ-पांव का दर्द, पुरानी चोट का दर्द या अन्य किस्म के शारीरिक दर्द में भी गर्म पानी सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

सिर्फ नहाना ही नहीं थकान होने पर गर्म पानी पीना भी बेहद फायदेमंद है। इससे पेट को आराम मिलता है और मांसपेशियों का तनाव दूर होता है। थके होने पर गर्म पानी पीने से हल्कापन महसूस होगा और रोज पीयेंगे तो दिन भर तरोताजा रहेंगे।

वजन कम करना है तो गरम पानी से बेहतर आयुर्वेदिक औषधि दूसरी नहीं है। ये रक्त संचार ठीक रखता है जिससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। गर्म पानी के साथ नींबू और शहद के मिश्रण से आपकी प्रतिरोधक, क्षमता भी बढ़ती है और वजन कम करने में भी ये नुस्खा लाभदायक है। ठंडा पानी किडनी के लिए भी बेहद हानिकारक है। अगर किडनी को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं तो सुबह और शाम गर्म पानी ज़रूर पीजिए। इससे किडनी में गंदगी जमा नहीं होगी और रक्त साफ होने का काम ठीक तरह से चलता रहेगा।

गुनगुने पानी को हड्डियों और जोड़ों की सेहत के लिए भी जरूरी माना जाता है। गुनगुना पानी जोड़ों के बीच के घर्षण को कम करने में मदद करता है, जिससे भविष्य में गठिया अर्थराइटिस जैसी गंभीर बीमारियों की आशंका कम हो जाती है। गर्म पानी मनुष्य के शरीर के सभी अंगों को ठीक से काम करने में भी मदद करता है जबकि ठंडा पानी कुछ अंगों के लिए काफी, हानिकारक साबित होता है। जिन लोगों को सांस से संबंधित बीमारी है उन्हें ठंडा पानी तो बिलकुल भी नहीं पीना चाहिए। ये किडनी से जुड़ी बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए भी काफी हानिकारक होता है यह फेफड़ों और गुर्दों की क्रियाविधि को उत्तेजित कर देता है जो कि बेहद नुकसानदेह साबित होती है।

-डॉ. सुनील शर्मा

उदयपुर का बड़ी तालाब

पहला महासीर संरक्षण क्षेत्र

राजस्थान सरकार ने पिछले दिनों वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत उदयपुर के बड़ी तालाब को महासीर संरक्षण क्षेत्र घोषित कर दिया। कलेर वनखंड स्थित यह तालाब देश का एकमात्र ऐसा जलाशय बन गया है जो प्रजाति विशेष की महासीर मछली संरक्षण के लिए आरक्षित हुआ है। इस तालाब में अब नाव संचालन एवं जाल लगा कर मत्स्याखेट पर भी प्रतिबंध रहेगा।

पूर्व में मछली की यह प्रजाति अधिकतर जलाशयों में पाई जाती थी। यह स्वच्छ पानी में ही जीवित रहती है। जलाशयों में प्रदूषण के कारण महासीर प्रजाति अब अधिकतर जलाशयों से विलुप्त हो गई है। बड़ी तालाब ही एक ऐसा जलाशय है, जहां महासीर आज भी बड़ी संख्या में उपलब्ध है। इसका कारण इस तालाब का पानी स्वच्छ होना है। वर्ष 2016 से बड़ी तालाब को महासीर के लिए आरक्षित करने के प्रयास किए जा रहे थे। राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी इस बारे में सहमति प्रदान की थी। महासीर मछली दूसरी प्रजातियों से बिलकुल भिन्न होती है। इसे 'टाइगर ऑफ द रिवर' के नाम से भी जाना जाता है। मध्यप्रदेश में इसे राजकीय मछली का दर्जा प्राप्त है। आयु बढ़ने पर इसका वजन 50 पौंड तक हो जाता है। मछली की यह प्रजाति प्रदूषण बिलकुल भी सहन नहीं कर पाती। वर्तमान में यह प्रजाति विलुप्त होने वाले जीवों की श्रेणी में शुमार है। बड़ी तालाब को महासीर संरक्षण के लिए आरक्षित करने से इस प्रजाति के संरक्षण व संवर्धन को नए आयाम मिलेंगे।

330 यूनिट हुआ रक्तदान

उदयपुर। उषा देवी चेरिटेबल टस्ट की ओर से 13वां महारक्तदान शिविर न्यू भूपालपुरा स्थित अरिहंत भवन में हुआ। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलकटर शैलेष सुराणा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. महेन्द्रसिंह सोजतिया रहे। अध्यक्षता उपमहापौर पारस सिंघवी ने व उद्घाटन प्रो. रणजीतसिंह सोजतिया ने किया। शिविर में 330 यूनिट, लोकमित्र को 86 यूनिट रक्त उपलब्ध करवाया गया। ट्रस्ट की ओर से अब तक 4159 यूनिट रक्तदान करवाया जा चुका है। इस अवसर पर रतन कुमावत, विष्णु सेन, लोकेश कुमावत, आदि का सम्मान किया गया। इस दौरान ट्रस्ट चेयरमैन बलवंतसिंह कोठारी, विजय कोठारी, जितेन्द्र जैन, विनोद तलेसरा, राकेश मोगरा, शिव उपाध्याय, दीपक चित्तौडा, विकास जैन, निशांत सुहालका, मनीष चौहान, अनिल सुराणा, महेन्द्र जैन आदि मौजूद थे।

भट्ट को यूडीए अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार

उदयपुर। प्रदेश सरकार ने संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट को उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्हें इस पद का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है। उदयपुर यूआईटी को हाल ही विकास प्राधिकरण बनाया गया था।

मनाया वित्तीय साक्षरता सप्ताह

उदयपुर। एम के जैन क्लासेज में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. एम.के. जैन द्वारा गया किया गया। प्रथम चरण में अभिनव जैन ने सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में करुणेश त्रिपाठी एवं जी.पी. पंवार, संजय सोनी ने भी व्यवसायिक मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. जैन, रेणु जैन, प्रधानाध्यापिका डॉ. भाविका जैन व वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

ट्विंकल साड़ी शोरूम का उद्घाटन

उदयपुर। पिछले दिनों देहलीगेट अंदर ट्विंकल साड़ी शोरूम का उद्घाटन कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ, धर्मदेवसिंह, पार्षद गौरव प्रताप सिंह व कुबेरसिंह चावडा व प्रवीण बंसल ने किया। शोरूम के प्रोपराइटर जालमचंद जैन, मुकेश जैन व राकेश जैन ने अतिथियों का स्वागत किया।

St. Anthony's Sr. Sec. School
Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a
Happy Diwali

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

तिमिर से मुक्ति की कामना - प्रकाश की साधना

डॉ. गिरीशपति त्रिपाठी
डॉ. सुधीर राय

दीपावली का पर्व ज्योति पर्व के रूप में भी जाना जाता है। ज्योति यानि प्रकाश। दीपावली में रोशनी या दीप प्रज्जवलन मात्र औपचारिकता नहीं है, उसके पीछे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारण भी हैं। हम प्रकाश की कामना करने वाली संस्कृति के अंग हैं। दीपावली पर एक दीये के माध्यम से हमारा अंधेरे के विरुद्ध जो सतत संघर्ष है, वह पुष्पित और पल्लवित होता है। हमारी संस्कृति में आनंद की संकल्पना त्रिविध ताप से मुक्ति की है। रामराज के बारे में यह वर्णित है कि दैहिक, दैविक, भौतिक तापा। राम राज्य नहिं काहुहि व्यापा। दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव के पीछे मूल अवधारणा है कि भगवान धन्वंतरि की कृपा से हम स्वास्थ्य और देवी लक्ष्मी की कृपा से भौतिक समृद्धि को प्राप्त करें। नरकासुर के आख्यान से स्त्रियों के प्रति एक स्वस्थ्य सामाजिक दृष्टिकोण धारण करें। भैया दूज पर यम की पूजन से मृत्यु से मुक्ति को प्राप्त करें। बहनों के टीका लगाने के माध्यम से स्वस्थ्य पारिवारिक वातावरण बनें। सबसे बड़ी बात अत्याचार के प्रतीक रावण के वध से अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा प्राप्त करें।

धनतेरस : सेहत को लेकर जागरूक बनें

प्रचलित मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन में कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि हाथों में औषधि कलश लेकर प्रकट हुए थे। वे आयुर्वेद के जनक हैं। जब समुद्र मंथन में हलाहल विष बाहर निकला तो भगवान शिव ने उसे पी लिया था, तब धन्वंतरि ने ही भगवान शिव को अमृत पान करवाया था। इस दिन भगवान धन्वंतरि के स्वागत में दीपक जलाए जाते हैं।

प्रचलित: इस दिन खरीदारी का चलन है। लोग निवेश करते हैं। दीपावली पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के लिए इसी दिन मूर्तियां भी खरीदी जाती है।

यह करें: धन्वंतरि के नाम के दीये जलाएं और आरोग्य का आशीर्वाद मांगे। घर की स्वच्छता का ध्यान रखें।

सीख: आयुर्वेद के अनुसार सेहत ही सबसे बड़ा धन है। कोरोना काल में इसकी पुष्टि भी हो चुकी है। सेहत के प्रति जागरूक हों।

नरक चतुर्दशी: मन को स्वच्छ रखें

द्वापर युग में नरकासुर दैत्य का वध कर श्रीकृष्ण ने 16 हजार 100 स्त्रियों को उसकी कैद से मुक्त करवाया था। भगवान ने उन्हें रूपावती होने का आशीर्वाद दिया था। उन स्त्रियों ने जब भगवान से खुद को पत्नी के रूप में स्वीकार करने की प्रार्थना की तो भगवान ने मान लिया था। यह घटना कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को हुई थी। इन्हीं घटनाओं से नरक चतुर्दशी (रूप चौदस या छोटी दीपावली) मनाते हैं।

प्रचलित: इस दिन पांच दीपक जलाए जाने की परंपरा रही है।

यह करें: भगवान श्रीकृष्ण की पूजा और उनसे प्रार्थना का खास दिन है।

सीख: मन के स्वरूप को अच्छा करना होता है। मन अच्छा हो तो भगवान की प्राप्ति भी संभव है।

दीपावली: वैभव प्राप्ति का त्योहार

त्रेता युग में रावण वध के बाद भगवान राम, पत्नी सीता और छोटे भाई लक्ष्मण के साथ अपना वनवास समाप्त कर पुन: अयोध्या लौटे तो उनके स्वागत में उनके भाईयों भरत-शत्रुघ्न व माताओं सहित अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए थे। तब से यह दिन, त्योहार के रूप में प्रचलित हुआ। यह ऐतिहासिक घटना कार्तिक मास की अमावस्या को हुई थी।

प्रचलित: इस दिन घरों व मंदिरों में दीपक जलाए जाते हैं। चूंकि श्रीगणेश प्रथम पूज्य हैं और भगवान के आगमन पर अपार वैभव की वृष्टि हुई थी, इसलिए इस दिन गणेश-लक्ष्मी पूजा की जाती है।

यह करें: दीपावली के दिन निर्धारित मुहूर्त पर पूजन करें।

सीख: विपत्तियों में घबराएं नहीं। विजय अच्छे लोगों की ही होती है।

गोवर्धन पूजा व अन्नकूट: अहंकार त्यागने का अवसर

द्वापर में इंद्र ने कुपित होकर जब मूसलाधार बारिश की तो श्रीकृष्ण ने गोकुलवासियों व गायों की रक्षार्थ और इन्द्र का घमंड तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्वत, छोटी अंगुली पर उठा लिया था। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के पहले दिन (पड़वा को) हुई इस घटना में इंद्र का अहंकार टूटा। उन्होंने भगवान से क्षमा याचना की।

प्रचलित: श्रीकृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया जाता है। इसका अन्नकूट प्रसाद दिया जाता है। गाय के गोबर से भगवान की प्रतिकृति बनाकर पूजा की जाती है।

यह करें: इस दिन भगवान की पूजा करें। गायों को गुड़ व चावल खिलाए जाने का भी विधान है।

सीख: अहंकार जिसका भी हो, अंत अवश्य होता है।

भाईदूज: सुरक्षा प्राप्ति का दिन

दीपोत्सव के पांचवें और अंतिम दिन को भाईदूज या यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि सूर्यपुत्री यमुना के भाई यमराज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को उनके घर आए थे। यमुना ने यमराज को टीका लगाकर वरदान मांगा था कि इस दिन कोई बहन अपने भाई को टीका लगाकर उसका आदर-सत्कार करे तो उसे आपका भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहा। तब से यह पर्व मनाया जाता है।

प्रचलित: इस दिन बहनें, भाइयों की लंबी उम्र व उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। भाई रक्षा का संकल्प लेते हैं।

यह करें: इस दिन बहनों से तिलक लगवाएं और उनकी सुख-समृद्धि की कामना करें। उन्हें भेंट दें।

सीख: सत्कार करते हैं तो आपको आशीर्वाद मिलता है।

खास मंत्र जाप

दीपावली की रात्रि को पूर्व दिशा की ओर मुख करके निम्नलिखित मंत्र की सात माला का जप करें। उसके पश्चात एक माला नित्य जप करें। इस प्रयोग से दरिद्रता का नाश होता है।

ॐ क्रीं कालिके दरिद्रता
विनाशिन्ये हुं फट्।

यदि बहुत अधिक ऋण में फंसने के कारण आप परेशान हैं, तो दीपावली को लक्ष्मी पूजन के बाद यह मंत्र जपें-

ॐ पद्मावती पद्मनेत्रे पद्मासने
लक्ष्मीदायिनी वांछा भूत-प्रेत
निग्रहणी सर्वशत्रु संहारिणी
दुर्जन मोहिनी ऋद्धि वृद्धि
कुरु-कुरु स्वाहा। ॐ ह्रीं
श्री पद्मावत्यै नमः।

व्यवसाय स्थल पर इस मंत्र की एक माला का जप करें।

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं क्लीं श्रीं लक्ष्मी मम गृहे
धनपूरये पूरये चिंता दूरये दूरये स्वाहा।

यदि आप अपनी आर्थिक स्थिति से संतुष्ट नहीं है और धन की कमी के कारण भौतिक सुखों को प्राप्त करने में असमर्थ हैं तो दीपावली के दिन रात्रि को स्नानादि से निवृत्त होकर पीले वस्त्र धारण करके पीले रंग के आसन पर बैठकर इस मंत्र की 11 मालाओं का जप करें।

दारिद्रय विनाशिनी अष्टलक्ष्मी कनकावती
सिद्धिं देहि नमः।

यदि आप अपने जीवन में यह महसूस करते हैं कि आपके पास धन स्थिर नहीं रहता है एवं आर्थिक स्थिति भी डांवाडोल ही रहती है, तो दीपावली के दिन से प्रारंभ करते हुए निम्नलिखित मंत्र को दस हजार की संख्या में जपने से यह सिद्ध हो जाता है।

ॐ ऐं क्लीं सौं ऐं ह्री श्रीं ॐ
नमो भगवती मातंगीश्वरी
सर्वजनमनोहारिणी सर्वराज
वंशकरी सर्वमुखरंजनि सर्व
पुरुष शंकरी
सर्वदुष्टमृगवशंकरी ह्रीं श्रीं
क्लीं ऐं ॐ ।।

धनधान्य समृद्धि के लिए कुबेर साधना श्रेष्ठ है। दीपावली पर महालक्ष्मी एवं कुबेर का पूजन करने के पश्चात इस मंत्र की 11 मालाओं का जप करें। यह प्रयोग निरंतर तीन दिवस तक करें।

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय,
धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धिं में देहि
दापय स्वाहा।

अवनीश पाण्डेय

सबका त्योहार

भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो-हड़प्पा की संस्कृति के अवशेषों में भी दीप प्रज्वलित करने का उल्लेख और प्रमाण मिले हैं। ईसा पूर्व चौथी सदी में कौटिल्य अर्थशास्त्र में भी मंदिरों और घाटों पर कार्तिक अमावस्या को दीप जलाने का उल्लेख मिलता है। दीपावली किसी धर्म विशेष का न होकर सभी धर्मों का त्योहार है।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को पटना के पावापुरी में कार्तिक अमावस्या की प्रात: मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध के अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में दीपावली के दिन हजारों दीप जलाए थे। आज भी बौद्ध इसी दिन अपने स्तूपों पर दीप जलाते हैं। सिखों के चौथे गुरु रामदास ने 16वीं सदी में स्वर्णमंदिर की नींव कार्तिक अमावस्या के दिन ही रखी थी। सिखों के छठे गुरु हरगोविंद सिंह जहांगीर की कैद से ग्वालियर में कैद से मुक्त होने के बाद इसी दिन अमृतसर पहुंचे। उस दिन दीपमाला से उनका स्वागत हुआ और वह दिन भी कार्तिक अमावस्या का ही था। महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी 30 अक्टूबर 1881 को दीपावली के दिन देह त्याग कर निर्वाण पाया।

कार्तिक नागदा

पांच मुक्तक

शाहिद मिर्जा शाहिद, बागपत

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

छोड़कर चल दिए रस्ते
सभी फूलों वाले
चुन लिए अपने लिए
पथ भी बबूलों वाले
उनके किरदार की
अजमत है निराली शाहिद
दोस्त तो दोस्त हैं,
दुश्मन भी उसूलों वाले।

परतवे-अर्श

जगमगाते हुए
दीपों के इशारे देखो
आज हर सिम्त नजर डालो,
नजारे देखो
परतवे-अर्श का मखसूस
ये मंजर शाहिद
जैसे उतरे हों फलक से
ये सितारे देखो।

रोशनी और खुशबू

दीपमाला में मुसर्रत की
खनक शामिल है
दीप की लौ में खिले गुल
की चमक शामिल है
जश्न डूबी बहारों का
ये तोहफा शाहिद
जगमगाहट में भी फूलों
की महक शामिल है

कुदरत का पैगाम

हमको कुदरत भी ये पैगाम
दिए जाती है
जश्न मिल-जुल के मनाने
का सबक लाती है
अब तो त्योहार भी तन्हा
नहीं आते शाहिद
साथ दिवाली भी कभी ईद
लिए आती है।

फोर्टी सदस्यों ने देखा संसद भवन

उदयपुर। फोर्टी उदयपुर चैप्टर की कार्यकारिणी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निमंत्रण पर नया संसद भवन देखा। अध्यक्ष मनीष भानावत ने बताया कि सचिव चर्चिल जैन, कोषाध्यक्ष आनंद शर्मा, पूर्व अध्यक्ष निशांत शर्मा, निर्मल शर्मा, धीरेन्द्र सच्चान, मुकेश सुथार, इंदरकुमार, अरुण कुमार एवं फोर्टी ब्रांचेस चेयरमैन प्रवीण सुथार आदि का दल एक उदयपुर से दिल्ली पहुंचा। दल ने राष्ट्रपति भवन, उद्योग भवन एवं प्रधानमंत्री संग्रहालय का भी भ्रमण किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ धीरेन्द्र सच्चान, प्रवीण सुथार एवं अन्य।

लीवर ट्रांसप्लांट से मिल रहा नया जीवनः डॉ. नैमिष

उदयपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उदयपुर चैप्टर के सहयोग से महात्मा गांधी मेडिकल एंड हॉस्पिटल जयपुर द्वारा डॉक्टर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। मुख्य लीवर प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. नैमिष मेहता ने लीवर रोगों एवं लीवर प्रत्यारोपण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि देश में लाखों लोगों को लीवर प्रत्यारोपण की जरूरत है। लेकिन पिछले साल मात्र 4 हजार ही ट्रांसप्लांट हो सके। कार्यक्रम में आईएमए पदाधिकारी डॉ. आनंद गुप्ता तथा डॉ. प्रशांत अग्रवाल प्रमुख सहयोगी रहे।

सीएम ओएसडी लोकेश सेंट्रल वॉर रूम में को-चेयरमैन

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा को प्रदेश कांग्रेस में अहम जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। सेंट्रल वॉर रूम से जुडी इस कमेटी का चेयरमैन शशिकांत सेंथिल को बनाया गया है।

दीक्षिता को गोल्ड मेडल

उदयपुर। दीक्षिता निमावत को पोखरा (नेपाल) में गत दिनों ओपन इंटरनेशनल कराटे चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर इंटरनेशनल आइकन अवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें ये सम्मान द एसोसिएशन फॉर ट्रेडिशनल यूथ गेम्स एंड स्पोर्ट्स इंटरनेशनल की ओर से दिया गया। उनके उदयपुर आगमन पर खेलप्रेमियों व संगठनों ने उनका भव्य स्वागत किया।

प्रकाश कोठारी अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। ओसवाल सभा के गत दिनों अध्यक्ष पद के लिए संपन्न चुनाव में प्रकाश कोठारी को सर्वाधिक 1279 वोट मिले। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनीष गलुंडिया को 323 मतों से हराया। अध्यक्ष पद के अन्य उम्मीदवार थे गौतम प्रकाश गांधी, कुंदन भटेवरा व अजय नलवाया। ये चुनाव 14 साल बाद कराए गए। चुनाव के एक सप्ताह बाद ही कार्यकारिणी के चुनाव में तुक्तक भानावत उपाध्यक्ष, आनंदीलाल बम्बोरिया सचिव, मनीष नागौरी मंत्री, फतहसिंह मेहता कोषाध्यक्ष, फतहलाल कोठारी भंडार संरक्षक, अंशुल मोगरा हिसाब निरीक्षक निर्वाचित किए गए। अध्यक्ष प्रकाश कोठारी को ओसवाल सभा के निवर्तमान अध्यक्ष कन्हैयालाल मेहता ने जबकि कार्यकारिणी पदाधिकारियों को थोब की बाड़ी श्रीसंघ के अध्यक्ष मनोहरसिंह नलवाया ने शपथ दिलाई।

मालावत ने पदभार संभाला

उदयपुर। नगर निगम आयुक्त पद पर आईएएस वासुदेव मालावत ने पुनः पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात जिले के प्रमुख शासकीय अधिकारियों से मिले और शहर में चल रहे विभिन्न कार्यों पर चर्चा की। मालावत कुछ समय पूर्व भी निगम में आयुक्त थे, प्रमोशन के कारण तबादला हो गया था। कुछ दिनों तक अन्यत्र पोस्टेड रहने के बाद हाल में ही राज्य सरकार ने उनका तबादला पुनः निगम आयुक्त के पद पर किया है।

आइकंस अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर। राजस्थान पत्रिका के रेडियो 95 एफएम तड़का के आइकंस ऑफ मेवाड़ अवार्ड 2023 आयोजन के मुख्य अतिथि आईजी अजयपाल लाम्बा, विशिष्ट अतिथि राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत थे। स्थानीय संपादक अभिषेक श्रीवास्तव ने आभार जताया। इस मौके पर जोनल हैड (मार्केटिंग) अजीत वी. जॉनी, वरिष्ठ प्रबंधक प्रिंस प्रजापत मौजूद थे। संचालन आरजे अर्पित ने किया।

इनको मिले अवार्डः नेशनल करियर अकादमी के प्रीतम सिंह गुर्जर, आयुष पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट से डॉ. राम मीणा, रॉयल ग्रुप ऑफ कंपनीज से हुसैन मुस्तफा, माउंट व्यू स्कूल से भावना चौधरी, सिविल सर्विसेज अकादमी से डॉ. रणजीत वर्मा, सागर प्रोपर्टीज से राजेश सुहालका, मेवाड़ एजुकेशन से पीयूष मूंदड़ा, टेक्नॉय मोटर्स से दिनेश कावड़िया, मंगल क्लासेज से यशवंत मंगल, एवरेस्ट टेक्निकल एजुकेश से जिनेन्द्र वाणावत, पीएफसी एजुकेशन से मीनाक्षी भेरवानी, जैनी एजुकेशन से हरीश प्रजापत, सुविवि से डॉ. दीपक रावल, दृष्टि आई हॉस्पिटल से डॉ. शर्वा पंड्या, शांतिराज हॉस्पिटल से नरेश शर्मा, डॉ. शिवांगी शर्मा, डॉ. अजीतसिंह, द स्टडी स्कूल से देवेन्द्रसिंह राठौड़, वागड़ जीएनएम नर्सिंग इंस्टीट्यूट से तुषार डामोर, फलका से रघुराजसिंह राठौड़, डॉ. उमंग खत्री को अवार्ड दिया गया।

Happy Diwali

Mayank Kothari
Director
Cell: 9214436647

ARIHANT

Mahila Teachers Training College

- To serve the objective of excellence, coupled with equity and social justice, in the field of Teacher Education.
- To prepare Teachers who serve as catalyst of a nation wide programme of school improvement.
- To provide good quality modern education including a strong component of culture inculcation of values, awareness of the environment, adventure activities and physical education to the would-be teachers.
- To serve as focal point for improvement in quality of school education in general through sharing of experiences and facilities.

Anand Pura, B/H Old Alcobacs Factory, Airport Road, Po. Dabok, Udaipur - 312022 (Raj),
Ph.: 0294-6454399, Visit us: www.arihantcollege.org Email- arihant.mttc.udr@gmail.com

ARIHANT+

NURSING INSTITUTE

17 B-C, Saheli Marg, Near IDBI Bank, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2414718

क्रांतिवीर मातादीन वाल्मीकि

बाबूलाल नागा

1857 की क्रांति ने भारतीयों में आजादी का एक ऐसा जज्बा पैदा किया, जिससे अंग्रेजों को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की इस पहली जंग में एक ओर थे तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडेय, नाना साहब, पेशवा जैसे महान क्रांतिकारी तो मातादीन वाल्मीकि का योगदान भी 1857 के महान गदर को इतिहास के पन्नों में दर्ज कराने में कम महत्वपूर्ण नहीं था। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का शोला मंगल पाण्डेय थे तो शोले में आग पैदा करने की प्रथम चिंगारी मातादीन थे। मातादीन के पूर्वज मेरठ के रहने वाले थे। उनके पुरखे शुरू में ही अंग्रेजों के संपर्क में रहने से सरकारी नौकरी में थे। तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों के कारण वे पढ़ लिख नहीं पाए थे। वे नौकरी के सिलसिले में तत्कालीन राजधानी कोलकाता में बस गए थे। कोलकाता से 16 मील दूर बैरकपुर छावनी में कारतूस बनाने का कारखाना था, जहां प्राय: अछूत समुदाय के लोग ही काम करते थे। वहां मातादीन सफाईकर्मी थे। अंग्रेज फौज के संपर्क में रहने से मातादीन को वहां की सारी गतिविधियों की जानकारी रहती थी। 22 जनवरी 1857 की बात है। सफाई कर्मी मातादीन ने एक दिन प्यास लगने पर सैनिक मंगल पांडे से पानी का लोटा मांगा। मंगल पांडे कट्टर कर्मकांडी ब्राह्मण थे। उन्होंने मातादीन को लोटा नहीं दिया। उनके इस व्यवहार से मातादीन के स्वाभिमान को ठेस पहुंची। उसने कहा जिन कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी लगी होती है, उन्हें तुम अपने दांतो से तोड़, बंदूक में लगाते हो। उस समय तुम्हारा ब्राहमणत्व और धर्म कहां चला जाता है ? क्या किसी प्यासे व्यक्ति को पानी पीने के लिए लोटा देने से तुम्हारा धर्म भ्रष्ट हो जाएगा? उलाहने के रूप में खोला गया यह रहस्य छावनी में आग की तरह फैल गया। मंगल पांडे के अंदर अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की ज्वाला भड़क उठी। मार्च 1857 को प्रात: मंगल पांडे ने गाय और सूअर की चर्बी युक्त कारतूस को उपयोग में लेने से इंकार कर दिया। कई अन्य सैनिकों ने भी मंगल पांडे की बात का समर्थन किया। विरोध को दबाने के लिए अंग्रेज अधिकारियों ने मंगल पांडे पर गोलियां चला दी। जवाब में मंगल पांडे ने भी बंदूक चला दी। मंगल पांडे घायल हो गए। इस घटना के कारण सैनिकों में विद्रोह भड़क उठा। मातादीन भी कर्तव्य निभाने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने अंग्रेजों के रखे हथियारों, गोला-बारूद, रसद तथा ठिकानों का पता विद्रोही सिपाहियों को बता दिया और 1857 की क्रांति में बड़े सहयोगी बन गए। इस विप्लव का दोषी मानते हुए कई क्रांतिकारियों की गिरफ्तारियां हुईं, चार्जशीट में पहला नाम मातादीन का ही था। अंग्रेजों ने भारतीय सैनिकों में विद्रोह भड़कने का मुख्य आरोपी उन्हें ही माना। इस मुकदमे का नाम ही 'ब्रिटिश सरकार बनाम मातादीन' था। सभी गिरफ्तार क्रांतिकारियों को कोर्ट मार्शल के जरिए फांसी की सजा दी गई। मातादीन भी मातृभूमि के लिए 08 अप्रैल 1857 को शहीद हो गए। पहली फांसी उन्हें दी गई। आजादी की लड़ाई के नायक के रूप में हम कई क्रांतिकारियों को जानते हैं पर वास्तविकता यह है कि मातादीन जैसे कई क्रांतिकारी अब भी गुमनाम हैं।

खेल-खिलाड़ी

प्रज्ञानानंद : बहन से सीखी शतरंज की चाल

रमेशबाबू प्रज्ञानानंद ने शतरंज की दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया है। सिर्फ 18 साल की उम्र में वे पिछलें दिनों शतरंज विश्व कप टूर्नामेंट का फाइनल भले ही हार गए हों, लेकिन दुनिया में अपनी धमक बिखेर दी है। शतरंज विश्व कप के फाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन से था। प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को लगातार कड़ी टक्कर दी। 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई (तमिलनाडु) में जन्मे रमेशबाबू प्रज्ञानानंद को देश के सबसे प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उनके पिता बैंक में काम करते हैं, और उनकी मां नागलक्ष्मी गृहिणी हैं। उनकी बड़ी बहन वैशाली आर भी शतरंज खेलती हैं। पांच साल की उम्र से शतरंज खेल रही वैशाली ग्रैंडमास्टर हैं। उनकी रूचि एक टूर्नामेंट जीतने के बाद बढ़ी और इसके बाद उनका छोटा भाई भी इस खेल को पसंद करने लगा। बहन को चेस खेलता देख प्रज्ञानानंद ने शतरंज को महज तीन साल की उम्र में अपने जीवन का हिस्सा बना लिया था। इस खेल में बहन ही उनकी गुरू हैं। महज सात साल की उम्र में ही प्रज्ञानानंद ने विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप जीती थी। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली। इसके बाद 2015 में उन्होंने चैंपियनशिप का अंडर-10 डिवीजन जीता। वहीं 10 साल की उम्र में उन्होंने शतरंज के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर का खिताब भी हासिल किया। ऐसा करने वाले वह उस समय के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। इसके बाद 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने, ऐसा करने वाले वह उस समय के दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे।

पिछले वर्ष 22 फरवरी को सिर्फ 16 साल की उम्र में विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन को हराने वाले प्रज्ञानानंद सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। जब उन्होंने एयरथिंग्स मास्टर्स रैपिड शतरंज टूनार्मेंट में एक रैपिड गेम में कार्लसन को हराया। सबसे दिलचस्प बात यह है कि नंबर एक चेस खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को प्रज्ञानानंद ने केवल 39 चाल में परास्त कर दिया था।

-भगवान प्रसाद गौड़

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

दीपावली

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

SELECTED Superbrand INDIA 2009-10 CONSUMER VALIDATED

कोई भी तरकारी अथवा दाल हल्दी के बिना नहीं बनती। हर शुभकार्य में भी हल्दी का प्रयोग होता है। चटक पीले रंग की हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर है, पर इसका सेवन सीमित मात्रा में ही किया जाना चाहिए। इन दिनों बाज़ार में कच्ची हल्दी की आवक बहुत है। इसकी सब्जी स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होती है।

बड़े काम की हल्दी

सुनीता गाबा

दंत रोग
मसूढ़ों और दांतों को मजबूत बनाए रखने हेतु नमक, सरसों का तेल और हल्दी मिलाकर उंगली से दांतों की ब्रशिंग करें। इस पेस्ट के मलने से मसूढ़ों की सूजन दूर होती है और दांत में कीड़ा नहीं लगता।

जली त्वचा
त्वचा पर कुछ गर्म गिर गया हो या लग गया हो तो एक चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच हल्दी पाउडर का मिश्रण बनाकर प्रभावित त्वचा पर लगाने से ठंडक महसूस होगी।

हड्डियों के लिए
एक गिलास दूध में कच्ची हल्दी का 1 इंच टुकड़ा दूध में उबालें, थोड़ा ठंडा होने पर सर्दियों में रात्रि में नियमित पिएं। हड्डियां मजबूत होंगी और अस्थिक्षरण का खतरा कम होगा।

खांसी में भी
1 गिलास गर्म दूध में एक चौथाई चम्मच हल्दी मिलाकर खांसी के दिनों में रात्रि में नियमित सेवन करने से काफी लाभ मिलता है।

मुंह में छाले
एक गिलास ताजा पानी में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर कुल्ला करने से मुंह के छालों में आराम मिलता है। दिन में दो या तीन बार ऐसा करें।

गठिया में राहत
प्रात: काल खाली पेट एक गिलास गर्म दूध के साथ एक चौथाई चम्मच पिसी हल्दी लें। कई दिन तक नियमित सेवन से दर्द में राहत मिलेगी। सर्दियों में लगातार सेवन कर सकते हैं। गर्मियों में दिन में एक बार ही लें। सर्दियों में कच्ची हल्दी को कूटकर या कद्दूकस कर दूध में मिलाकर भी ले सकते हैं।

पाचन को सुधारती है
कब्ज, पेट में जलन, अपच, पाचन प्रणाली में गड़बड़ी पर हल्दी वाले चावल भी ले सकते हैं या दूध के साथ हल्दी का सेवन कर सकते हैं।

घाव भरने में मदद
एंटीसेप्टिक गुण के कारण हल्दी को घाव पर लगाने से घाव जल्दी भरने में मदद मिलती है। हल्दी पाउडर को गर्म तेल या घी में गुनगुना घाव पर लगाएं और पट्टी बांध दें। घाव कुछ दिनों में नियमित लेप से भर जाएगा। अगर घाव गहरा हो तो डाक्टर के पास अवश्य जाएं।

फिर से मन के दीप जलाओ

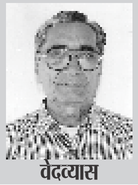

वेदव्यास

फिर से मन के दीप जलाओ
विश्वासों के शब्द जगाओ
छोटे–छोटे अंधियारों में
खुशियों के संसार सजाओ।

जीवन के सूने आंगन में
स्मृतियों की जोत जलाओ
बहुत समय हलचल में बीता
अब कुछ देर सहज हो जाओ।

बीता समय नहीं आता है
सपनों के सुरताल बजाओ
सुबर शाम से सन्नाटों में
आशा का उन्माद जगाओ।

सब कुछ भीतर छिपा हुआ है
मत बांधों कुछ बाहर आओ
सांसों के इस शीशमहल में
हंसो–हंसाओ झूमो गाओ।

फिर से मन के दीप जलाओ
रचना के संसार सजाओ
दुख के सपनों को बिसराओ
सुख का समय बधाई गाओ।

कन्हैयालाल साहू
डायरेक्टर
9660846518

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेन्द्र साहू
डायरेक्टर
9928521329

RS

RAMJI SWEETS

शादी एवं पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते है

होलसेल व रिटेल : शुद्ध देशी घी की मावे की एवं बंगाली मिठाइयां, स्पेशल स्पंजी रसगुल्ला

यूनिवर्सिटी मैन रोड, उदयपुर- 313001 (राज.)

प्रत्यूष

स्वर्णिम चमक लिए भारत लौटे

28	38	41
स्वर्ण	रजत	कांस्य

भारतीय खिलाड़ियों ने 19वें एशियाई खेलों के लिए चीन के हांगझाऊ प्रस्थान करने से पहले जो वादा किया था उसे पूरा कर दिखाया है। एशियन गेम्स-2023 के लिए वे इस बार 100 के पार मंत्र को कंठस्थ कर गए थे, जिसे साकार कर इतिहास रच दिया। देश को एशियन गेम्स में पहली बार 10 से अधिक पदक दिलाए।

शतकवीरों की नज़र नागायो पर

मोहम्मद अबरार

भारत ने एशियाई खेलों (23 सितम्बर-8 अक्टूबर) में इस बार सबसे ज्यादा 655 खिलाड़ी भेजे थे। देश को पहला पदक नौकायन में मिला था और सौवां पदक महिला कबड्डी टीम ने स्वर्ण के साथ पक्का किया। भारत ने कुल 107 पदक जीते, जिनमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य शामिल हैं। पदकों की संख्या में महिलाओं ने अपना दबदबा कायम रखा। महिलाओं ने 12 पदक अपने नाम किए। अब भारत की नजरें जापान के नागोया पर हैं, जहां 2026 में एशियाई खेल होंगे। भारत ने एशियाई खेलों के 72 वर्षों में पहली बार अपने एथलीटों, निशानेबाजों और तीरंदाजों के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। कुल पदकों में से 56न्न तीन खेलों से जीते। इनमें एथलेटिक्स में 29 (6 स्वर्ण, 14 रजत, 9 कांस्य), निशोनबाजी में 22 (7 स्वर्ण, 9 रजत, 6 कांस्य) और तीरंदाजी 9 (5 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य) पदक जीते। खेलों का पहला और सौवां पदक बेटियों ने दिलाया। मेहुली, रमिता और आशी ने 10 मीटर एयर राइफल में रजत जीतकर खाता खोला था। महिला कबड्डी टीम ने स्वर्ण के रूप में 100वां पदक जीता। एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने अगले साल फ्रांस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत के लिए उम्मीदों के नए द्वार खोल दिए हैं। ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या सात से आगे नहीं बढ़ी है। अगले ओलंपिक में यह दहाई के अंकों में पहुंच सकती है। हमारे खेल संस्थान खिलाड़ियों से अभी से तैयारी शुरू करवा दें तो वे ओलंपिक में भी अपने हौसले और प्रतिभा का कमाल दिखा सकते हैं। एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने जो जोश, हौसला और जुनून दिखाया है, उसे आगे भी बरकरार रखने के लिए सरकार को लगातार ध्यान देते रहना होगा। पिछले दशक में खेलों पर ध्यान केन्द्रित कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का परिणाम हमारे सामने है।

एशियन गेम्स: 5 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

पदक	वर्ष	स्थान
107	2022	हांगझाऊ
70	2018	जकार्ता
65	2010	ग्वांग्झाऊ
57	2014	इंचियान
57	1982	नई दिल्ली

विश्व रिकॉर्ड भी बने

1. पहला स्वर्ण पदक रूद्रांक्ष, दिव्यांश और ऐश्वर्य ने विश्व रिकॉर्ड के साथ दिलाया।
2. सिफत कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

भारत को दुनिया में फिलहाल सिर्फ क्रिकेट के लिए जाना जाता है। इस बार के एशियाई खेलों ने साबित कर दिया कि भारत दूसरे खेलों में भी धाक जमा सकता है।

मैं एथलीटों को हदय से बधाई देता हूं, जिनके प्रयासों ने भारत को ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचाया है। इस प्रदर्शन से हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इस बार मेडल्स की बौछार हुई है और 100 का आंकड़ा पार हो गया है। इन एथलीट्स ने वर्तमान और भविष्य के खिलाड़ियों के लिए एक नई प्रेरणा दी है।

–अनुराग ठाकुर, खेल मंत्री

Happy Diwali
BATHIJA BOOTS
Deals in : Ladies, Gents & All Kids Branded Footwears
School Shoes Also Available
Opp. Fountain, Out side Surajpole Circle, Udaipur

Happy Diwali
Giriraj Bhavsar, Director
94141 63435, 88298 63435
Ankit Naksha Kendra
Architect
Construction
Consultant
Town Hall Link Road, Udaipur - 313001
Branch Office : 7-A, Savina
Main Road, Udaipur
ankitnakshakendra@gmail.com
girirajbhavsar@gmail.com

पुराना संसद भवन 'संविधान सदन' बना

75 साल की विकास यात्रा ने जहां पाया आकार

नए संसद भवन में बैठकें (19 सितम्बर, 2023) होने के साथ ही पुराना संसद भवन अब 'संविधान भवन' के नाम से जाना जाएगा। इस भवन ने पिछले 95 साल में महात्मा गांधी की सरपरस्ती में देश की आ ादी का अहिंसात्मक आंदोलन देखा, साम्राज्य और सत्ताएं बदलती देखी हैं। इसने आज़ादी के मतवालों का जुनून देखा है। भारत-विभाजन की त्रासदी को झेला है। लाल किले पर स्वतंत्र भारत का तिरंगा चढ़ते-लहराते देखा है। शास्त्री जी के आव्हान पर पूरे देश को 'एक दिन उपवास' करते देखा है। इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में पाकिस्तानी फौज को भारतीय सेना के समक्ष घुटने टेकते और पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) को पाकिस्तान को अलग होते हुए देखा है। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण देखा है। बैलगाड़ी से लेकर चांद तक का सफर देखा है।

अभिजय शर्मा

पूरे 95 साल तक अतीत के अनुभव के आधार पर भारत के वर्तमान और भविष्य पर चिन्तन-मनन के साथ शासन चलाने के लिए विधान निर्माण का केन्द्र रहा संसद भवन अब नया भवन बनने के बाद भूतपूर्व हो गया है। अपने अतीत के साथ इतिहास बने इस भवन ने 1927 से लेकर 1952 तक ब्रिटिश राज के लिए भारत के विधान तय किए और सन् 1951-52 में सम्प्रभुता सम्पन्न भारत गणराज्य के पहले चुनाव से लेकर 2019 तक चुनी गई 17 लोकसभाओं को विराजमान किया। इसी में 71 सालों तक राज्यसभा (संसद का स्थाई सदन) भी भारत के भविष्य को लेकर चिन्तन करती रही।

अंग्रेजों के जमाने के संसद भवन को 19 सितंबर (गणेश चतुर्थी) को देश ने विदाई दे दी। अब संसद की बैठकें नए भवन में चल रही है। नए भवन में प्रवेश के साथ ही पुराने संसद भवन को 'संविधान सदन' के नाम से जाना जाएगा।

लोकसभा और राज्य सभा के सदस्य नए भवन में जाने से पूर्व इस भवन के केन्द्रीय कक्ष में एकत्रित हुए। उन्होंने समवेत स्वर में कहा कि बेशक यह भवन अंग्रेजों के जमाने में तैयार हुआ हो, लेकिन इसमें देश के लोगों की मेहनत है। इसमें भारत के नवोन्मेष के अनेक फैसले हुए हैं, ये हमेशा उन यादों को संजोए रखेगा। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुराने संसद भवन का नामकरण 'संविधान सदन' के रूप में किया। प्रधान मंत्री ने कहा कि हम सब नए संसद भवन में जा रहे हैं, लेकिन इस इमारत की महिमा कभी कम न होगी। विभिन्न दलों की महिला सांसदों ने भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के साक्षी रहे पुराने संसद भवन से विदाई के दौरान भावुक संदेश और अनुभव साझा किए। रंग-बिरंगे परिधान पहने राज्यसभा और लोकसभा के सदस्यों ने इस ऐतिहासिक इमारत के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरानी संसद में अपने आखिरी भाषण में न सिर्फ देश की महान विभूतियों का जिक्र किया बल्कि उनकी भी चर्चा की जो संसद में कागज या पानी लेकर दौड़ते हैं। मोदी ने संसदीय इतिहास के कई बड़े मौकों को याद करते हुए कहा कि इसी सदन ने अमेरिका के साथ ऐतिहासिक परमाणु समझौते पर अंतिम मुहर लगाई थी। इसी सदन में अनुच्छेद 370 हटाने, वन पेंशन, वन टैक्स, जीएसटी लागू करने और वन रैंक वन पेंशन का फैसला भी हुआ, गरीबों को दस फीसदी आरक्षण देने का फैसला भी यहीं हुआ। पूर्व प्रधानमंत्रियों को याद करते हुए कहा कि ये वो सदन है जहां पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट की गूंज हम सबको प्रेरित करती है। वहीं इंदिरा गांधी के नेतृत्व में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का आंदोलन भी इसी सदन ने देखा था। भारत के लोकतंत्र के तमाम उतार-चढ़ावों को देखते हुए यह सदन, लोकतंत्र की ताकत और लोकतंत्र का साक्षी है। मोदी ने कहा कि हम नई इमारत में जा रहे हैं, लेकिन पुरानी इमारत भी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। पुराने संसद भवन को अलविदा कहना एक भावनात्मक क्षण है, इसके साथ कई खट्टी-मीठी यादें जुड़ी हैं, यह भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। पंडित नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री से लेकर अटल बिहारी, मनमोहन सिंह तक कई नाम हैं, जिन्होंने इस सदन का नेतृत्व किया, सदन के माध्यम से देश को दिशा दी है, देश को नए रंग रूप में ढालने के लिए उन्होंने परिश्रम किया है, पुरूषार्थ किया है, आज उन सबका गौरवगान करने का अवसर है। सरदार वल्लभ भाई पटेल, राम मनोहर लोहिया, चंद्रशेखर, लालकृष्ण आडवाणी न जाने कितने ही अनगिनत नाम जिन्होंने हमारे इस सदन और इसमें

सफरनामा

12 फरवरी, 1921
ड्यूक ऑफ कनॉट ने नींव रखी थी, जिसे उस वक्त काउंसिल हाउस कहा जाता था।

18 जनवरी, 1927
तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन ने संसद भवन का उद्घाटन किया।

19 जनवरी, 1947
संसद भवन में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली के तीसरे सत्र की पहली बैठक हुई।

9 दिसंबर 1946
संविधान सभा की पहली बैठक हुई।

14-15 अगस्त, 1947
संविधान सभा के अर्द्धरात्रि सत्र के दौरान सत्ता हस्तांतरण हुआ।

13 मई, 1952
दोनों सदनों की पहली बैठक हुई।

3 अगस्त, 1970
तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने संसद एनेक्सी की आधारशिला रखी।

24 अक्टूबर, 1975
तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसद एनेक्सी का उद्घाटन किया।

15 अगस्त, 1987
तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद लाइब्रेरी की आधारशिला रखी।

7 मई, 2002
तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर.नारायणन ने संसद लाइब्रेरी भवन का उद्घाटन किया।

5 मई, 2009
तत्कालीन उपराष्ट्रपति माहेम्मद हामिद अंसारी तथा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने संसद एनेक्सी के विस्तारित भाग की आधारशिला रखी।

31 जुलाई, 2017
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद एनेक्सी के विस्तारित भाग का उद्घाटन किया।

5 अगस्त, 2019
तत्कालीन उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू तथा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नए एवं आधुनिक संसद भवन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

10 दिसंबर, 2020
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन की आधारशिला रखी।

28 मई, 2023
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया।

चर्चाओं को समृद्ध करने का काम किया है। अब अतीत के पन्नों में दर्ज संसद भवन (अब संविधान सदन) 83 लाख की लागत से 24,281 वर्ग मीटर क्षेत्र में बना है। इसकी दूरी राष्ट्रपति भवन से 750 मीटर हैं। आजादी के बाद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा की पहली बैठक इसी भवन के सेंट्रल हाल में हुई थी। जिसमें बाद में जरूरत पड़ने पर दोनों सदनों की बैठकें भी होती रही।

ट्रीस्ट विद डेस्टिनी

इसी भवन में 14–15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि को प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का वह कालजयी भाषण हुआ था जो ट्रीस्ट विद डेस्टिनी अर्थात नियति के साथ साक्षात्कार, के नाम से विख्यात हुआ। आजादी के बाद निवर्तमान संसद भवन ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में कई ऐतिहासित विधान बनाए जिनसे भारत को विश्व पटल पर नई सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक पहचान मिली तथा देश बैलगाड़ी युग से अन्तरिक्ष युग तक पहुंचा।

राजधानी स्थानांतरण

भारत की ब्रिटिश राजधानी कलकत्ता थी जो प्रशासनिक सहूलियत के लिए 1911 में दिल्ली स्थानान्तरित हुई। ब्रिटिश शासन व्यवस्था दिल्ली आ जाने के बाद दिल्ली में ही वायसराय, उनके प्रशासन और विधायिका के लिए भवन बनने लगे। इन सबकी डिजाइन का काम आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर को सौंपा गया। 1921 में पुरानी संसद भवन का निर्माण शुरू हुआ जो 1927 में पूरा हुआ। इनमें सेंट्रल एसेम्बली भवन 1927 में और वायसराय हाउस 1929 में बनकर तैयार हुआ। वायसराय हाउस आजादी के बाद राष्ट्रपति भवन और केन्द्रीय एसेंबली भवन स्वतंत्र भारत का संसद भवन कहलाया।

दत्त और भगत सिंह ने फोड़ा था बम

1927 में प्रशासनिक भवन बनकर तैयार हुआ चुका था। वो दौर अंग्रेजों की सरकार का था। उस समय लोकसभा को लेजिस्टलेटिव काउंसिल कहा जाता था जिसका गठन 1919 में हुआ था। राज्यसभा को राज्य परिषद कहते थे। भवन का निर्माण पूरा होने तक इनकी बैठकें वायसराय हाउस में हुआ करती थीं, प्रशासनिकभवन बनने के बाद केंद्रीय असेंबली की तीसरी बैठक नए भवन में रखी गई और इसे नाम दिया गया केंद्रीय असेंबली । 2 साल बाद ही 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त और भगत सिंह ने इसी असेंबली के सेंट्रल हॉल में बम फेंका था। इस बम धमाके से अंग्रेज सरकार हिल गई थी। यह बम धमाका पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में था, जिसके पास होने के बाद मजदूर हड़ताल के अधिकार से वंचित हो जाते।

करामाती मेथी दाना

आयरन और कई औषधीय गुणों से भरपूर मेथी दाना न सिर्फ किसी भी डिश का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत भी दुरूस्त रखता है। मेथी दाने वाली रेसिपी बता रही हैं -ज्योति मोघे

मेथी दाने के लड्डू

कितने लोगों के लिए: 4
कुकिंग टाइम: 60 मिनट

सामग्री: मेथी दाना पाउडर- 50 ग्राम, गेहूं का आटा- 125 ग्राम, बारीक कटा बादाम- 10, इलायची पाउडर- 1 चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच, सौंठ पाउडर- 1/4 चम्मच, बारीक कटा पिस्ता- 5, बबूल का गोंद- 2 चम्मच, घी- आवश्यकतानुसार, किशमिश - 20, गुड़- 1 कप, जायफल पाउडर- 1/4 चम्मच, जीरा पाउडर- 1/4 चम्मच, दालचीनी पाउडर- 1/4 चम्मच, दूध- आवश्यकतानुसार

विधि: मेथी पाउडर को सात से आठ घंटे तक दूध में भिगोकर छोड़ दें। दो चम्मच घी कड़ाही में गर्म करें और उसमें आटे को खुशबू आने तक भून लें। आटे को कड़ाही से निकाल लें और अब उसी कड़ाही में जरा-सा घी डालकर दूध में भीगे मेथी दाना पाउडर को धीमी आंच पर भून लें। इसी प्रकार गोंद को घी में तल लें और अलग निकाल लें। अब गुड़ की चाशनी तैयार करें और उसमें काली मिर्च पाउडर, सोंठ, बादाम, किशमिश, इलायची पाउडर, जायफल, दरदरा गोंद, जीरा पाउडर व दालचीनी पाउडर आदि डालकर मिलाएं। भुना हुआ आटा और मेथी पाउडर को भी इस मिश्रण में डालकर मिलाएं और मध्यम आकार के लड्डू बना लें। थोड़ी देर बाद डिब्बे में रख दें और मन चाहे तब खाएं।

यह भी है खासियत

- मेथी के पत्तों को नारियल के दूध में मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे बालों पर लगाने से बालों का गिरना कम होता है और वे तेजी से लंबे होते हैं। समय से पहले सफेद भी नहीं होते।
- मेथी के ताजे पत्ते और हल्दी का पेस्ट नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से कील-मुहांसे और दाग-धब्बों से छुटकारा पाने में मदद मिलती है।
- मेथी के दानों को नियमित रूप से डाइट का हिस्सा बनाने से पेट से संबंधित सारी समस्याएं दूर होने लगती हैं। मेथी खाने से पाचन शक्ति बेहतर होती है और कब्ज आदि की परेशानी दूर होती है। विभिन्न प्रकार के विषैले हानिकारक रासायनिक पदार्थों को बाहर निकालने में भी सहायता मिलती है।
- भीगे हुए थोड़े से मेथी दाने को एक चम्मच शहद और नीबू के रस के साथ हर दिन खा लेने से बुखार, सर्दी-जुकाम और गले में खराश जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी दाना-सीताफल की चटपटी सब्जी

कितने लोगों के लिए-2
कुकिंग टाइम: 20 मिनट

सामग्री: कटा हुआ सीताफल (लाल कुम्हड़ा) – 1 कप, मेथी दाना– 1 चम्मच, हींग– चुटकी भर, कटी हुई मिर्च– 1, लाल मिर्च पाउडर– 1/4 चम्मच, हल्दी पाउडर– 1/4 चम्मच, धनिया पाउडर– 1 चम्मच, गरम मसाला पाउडर– 1/2 चम्मच, तेल– 1 चम्मच, नीबू या अमचूर पाउडर– 1 चम्मच, नमक– स्वादानुसार, अदरक का पेस्ट– 1/4 चम्मच, बारीक कटी धनिया पत्ती– सजावट के लिए

विधि: सबसे पहले कड़ाही में तेल गरम करके उसमें मेथी दाना डालें। जब मेथी दाना चटकने लगे तो कड़ाही में हींग, हल्दी, धनिया पाउडर, मिर्च और कटा हुआ सीता फल डालें। अच्छी तरह से मिलाने के बाद कड़ाही में नमक और गरम मसाला पाउडर डालें। मध्यम आंच पर सीताफल को पकाएं। जब सीताफल पक जाए तो गैस ऑफ कर दें और सब्जी में नीबू का रस डालकर मिलाएं। धनिया पत्ती से गार्निश करें और पराठे के साथ पेश करें।

मेथी दाने की लौंजी

कितने लोगों के लिए: 5
कुकिंग टाइम: 45 मिनट

सामग्री: मेथी दाना– 1/2 कप, गुड़– 3/4 कप, चीनी– 3/4 कप, कटा हुआ खजूर–1/4 कप, किशमिश– 1/4 कप, लाल मिर्च पाउडर– 2 चम्मच, अमचूर पाउडर– 2 चम्मच, धनिया पाउडर– 3 चम्मच, नमक– स्वादानुसार, जीरा– 1 चम्मच, दरदरा सौंफ– 1 चम्मच, तेल– 1 चम्मच, चाट मसाला– आवश्यकतानुसार

विधि: मेथी दाना और खजूर को पानी में भिगोने के लिए रखें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, सौंफ व मेथीदाना डालें और चलाएं। पांच मिनट बाद चाट मसाला के अलावा बची हुई सारी सामग्री को पैन में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। जब खजूर पक जाए तो पैन में चाट मसाला डालकर मिलाएं और गैस बंद कर दें। लौंजी को ठंडा करने के बाद सर्व करें।

मेथी दाना अचार

कुकिंग टाइम: 40 मिनट

सामग्री : मेथीदाना– 1/4 कप, हींग– 1/4 चम्मच, नीबू का रस– 1 कप, सरसों तेल– 3 चम्मच, दरदरा सौंफ– 1 चम्मच, हल्दी पाउडर– 1/2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर– 1/2 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर– 1/4 चम्मच, कलौंजी– 1/4 चम्मच, पीली सरसों– 1/4 चम्मच, नमक– 2 चम्मच

विधि: सबसे पहले मेथीदाना को साफ कर लें। अब एक पैन में सरसों तेल को धुआं उठने तक गर्म कर लें । अब आंच धीमी करें और तेल को सामान्य तापमान पर ले आएं। तेल में मेथी दाना डालकर मध्यम आँच पर भूनें। फिर उसमें हींग, सौंफ, कलौंजी, पीली सरसों, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं और गैस बंद कर दें। अब उसमें नमक और नीबू का रस डालकर मिलायें अचार को ठंडा होने दें। साफ-सुथरे जार में भरकर 4 दिन तक छोड़ दें। चार दिनों में मेथी दाना फूल जाएगा और मसाले उसमें अच्छी तरह से समा जाएंगे।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

तारा संस्थान के नि:शुल्क आँखों के अस्पताल

उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, लोनी (गाजियाबाद)

नि:शुल्क नेत्र जाँच व नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा

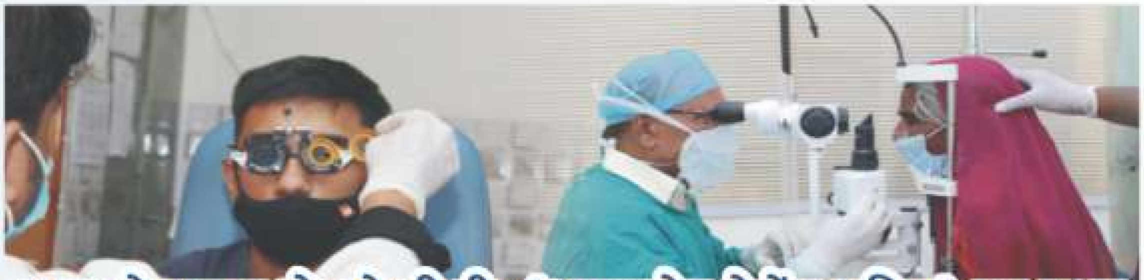

तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. (आउटडोर पेशेंट युनिट) का दृश्य

अन्तर्गत : तारा संस्थान, उदयपुर

236, हिरण मगरी, सेक्टर 6 (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली), उदयपुर 313002 (राज.)
मो. +91 9549399993, 9649399993, Website : www.tarasansthan.org

Happy Diwali

Dilip Galundia
Director

NPL

NANO POLYPLAST PRIVATE LIMITED

A-104, 1st Floor, GLG Complex, Dr. Shurveer Singh Marg,
Fatehpura, Udaipur - 313004 (Rajasthan)) India
Ph.: +91 294 2452626/27, Mobile: +91 98290 95489
Fax: +91 294 2452005 Website: www.galundiagroup.com
E-mail: sales@galundiagroup.com, nanoplast@yahoo.co.in

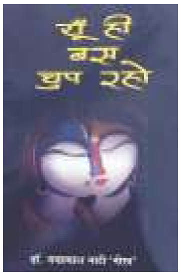

यूं ही बस चुप रहो

'**यूं** ही बस चुप रहो' डॉ. जयप्रकाश भाटी 'नीरव' की सातवीं काव्य-कृति है। प्रथम कविता - संग्रह 'सावन की धूप' के बाद कवि की कविताओं में उत्तरोत्तर निखार, प्रौढ़ता एवं व्यापक जीवन-दर्शन का मणि-कांचन प्रयोग देखने को मिलता है। कवि ने पुस्तक के प्रारंभ में अपने कीर्तिशेष बहनोइयों को श्रद्धांजलि अर्पित की है जिसे इन कविताओं की भूमिका के रूप में देखा जा सकता है, मानों कवि यह कहना चाहता हो कि - 'बड़े शौक से सुन रहा था जमाना, तुम ही सो गये दास्तां कहते-कहते।' जीवन में शोरगुल निरर्थक है। संकल्प, विश्वास और आश्वासन का कोई महत्व नहीं है। अत: बेहतर यही है कि चुपचाप सब देखते रहो। लगता है कवि का सबसे विश्वास उठ गया है। 'बालू से ढकी पिघले कोलतार सी आशाएं' बहुत ही सटीक अभिव्यंजना है। छल-कपट, प्रवंचनाओं से घिरे इंसान की मन:स्थिति का एक सजीव चित्रण कविता की इन पंक्तियों में उभर कर सामने आया है। 'अगल-बगल ज़हरीले पेड़ खड़े, किसके नीचे बैठें, सुस्ताएं'। हर तरफ से धोखा खाया हुआ इंसान हर परिचित-अपरिचित व्यक्ति को शक की निगाह से देखता है। इसीलिए कवि अपने आपको और सभी को चुप रहने की सलाह देता है।

पुस्तक की भूमिका में कवि कहता है - 'यह स्वाभाविक है कि जो लोग मौन अथवा चुप रहने की आदत डालते हैं, वे मुश्किल और तनावपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर परिणाम देते हैं, मौन या चुप रहना दिमाग के लिए एक व्यायाम जैसा भी है।' हालांकि मौन रहना इतना आसान नहीं है। इसीलिए पुराने जमाने में और आज भी कई संत-महात्मा कुछ समय के लिए और कभी-कभी तो बरसों तक मौन व्रत धारण करते हैं। इसीलिए उन्हें मुनि कहा जाता है। यह भी एक प्रकार की तपस्या है। जैसे मौसम बदलता रहता है, समय बदलता रहता है - कवि मन भी बदलता रहता है, पदे-पदे नूतनता, यही तो काव्य का सौंदर्य है। जहाँ एक और कवि अपने मन को चुप रहने की हिदायत देता है वहीं दूसरी ओर वह अपनी एक अन्य कविता 'चुप मत रहो' में अन्याय के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने की सलाह भी देता है, यथा-

'इन्कलाब सदियों में एक बार / सामाजिक अन्याय के ध्वस्त पर / न्यायोचित/ नया समाज रचता है/ चुप मत रहो।'/

संग्रह की कनिताओं पर बच्चन साहित्य का स्पष्ट प्रभाव परिलक्षित होता है। कवि बच्चन को अपने जीवन में पत्नी वियोग सहना पड़ा था। जिसकी पीड़ा बच्चन जी की शुरूआती कविताओं में स्पष्ट झलकती है। इस कवि को भी जीवन के सध्या काल में पत्नी वियोग करना पड़ा है अत: इनकी कविताओं में भी यत्र-तत्र वह वेदना उभर कर आ ही जाती है। जीवन के संध्या-काल में जीवन साथी का चले जाना बहुत अखरता है। उसकी एक-एक बात रह-रह कर याद आती है। इस संकलन में शामिल निशा की स्मृति में कविता इसी आशय की है। कवि कहता है-

जीवन संगिनी तुम मेरे जीवन की रथ-गामिनी थी। / वर्षों का साथ / पल भर में - / एक ही झटके में टूट गया।

कवि को अपने जीवन में एक के बाद एक कर कई झटके लगे हैं, जिनका अहसास उनकी कविताओं में उजागर होता है, यथा-

' मैने अपने से, जमाने से लड़ाई की'/ मैं लड़ा हूँ, लड़ रहा हूँ / लड़ता रहूंगा, / मैं मिट कर भी इसकी अमरता सिद्ध करूंगा।

'दोस्तों के छूरे' कविता को पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि कवि ने अपने दोस्तों से भी धोखा खाया है। यह स्थिति अनेक व्यक्तियों के जीवन में आती है।

'बीमार पिताजी कविता में बीमारी और उसके बाद मृत देह का चित्रण भी कवि ने आँखों में आँसू लाने वाला किया है। चित्रण इतना मार्मिक है कि पल-पल की स्थिति आँखों के सामने आ जाती है।

'शव यात्रा' संकलन की एक लंबी कविता है जिसमें शव-यात्रा के पूर्व की स्थितियों का वर्णनात्मक चित्रण है, जैसे - सूचना मिलते ही परिजनों, सगे-संबंधियों का एकत्रित हो जाना। मृत शरीर को पलंग से उतार कर ज़मीन पर लिटा देना आदि। सारांश यह है कि संकलन में कवि ने जीवन के हर पहलू का गंभीरता से चित्रण किया है। जीवन और मृत्यु के अलावा उनके बीच की घटनाओं को कविता के माध्यम से बड़ी कुशलता से चित्रित किया है। कवि की वेदना में समस्त मानव जाति की वेदना समाहित प्रतीत होती है। यही इस कवि के रचना - संसार की सफलता है। बधाई ।

- डॉ. गिरिराज गुंजन

पाठक पीठ

'प्रत्यूष' की प्रकाशन यात्रा के आरंभ से ही मैं इसका पाठक हूँ। इसमें विविध विषयों पर छपने वाले आलेख जानकारियों से भरपूर और ज्ञानर्जन कराने वाले होते हैं। प्रत्येक माह सम-सामयिक प्रसंग पर इसका चुटीला और बेबाक सम्पादकीय इस पत्रिका की खास पहचान है।

प्रवीण सरूपरिया, उद्योगपति

अक्टूबर की 'प्रत्यूष' पत्रिका में प्रकाशित डॉ. दीपक आचार्य का आलेख काफी अच्छा लगा। आलेख में व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनैतिक स्तर पर मूल्यों के लगातार होते क्षरण पर चिंता व्यक्त की गई है। निश्चय ही आज इस ओर ध्यान देने की महती आवश्यकता है। नई पीढ़ी को हम कैसा परिवार, समाज और राष्ट्र सौपना चाहते हैं?

राज जांगिड़, उद्योगपति

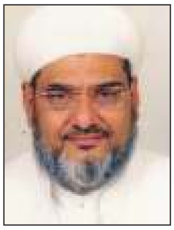

दक्षिणी राजस्थान से निकलने वाली 'प्रत्यूष' एक मात्र ऐसी पत्रिका है, जो पिछले 21 वर्ष से नियमित है। मुझे नहीं लगता कि इसका कोई अंक छपा न हो। कोरोना के दौरान इसके दो अंक जरूर संयुक्तांक के रूप में छपे थे। इसे पूरी कलरफुल बनाने की दिशा में आगे बढें। इसमें परिवार के लिए रूचिकर सामग्री होती है, बच्चों के लिए सामग्री बढ़ाएं।

शब्बीर के. मुस्तफा, उद्योगपति

'प्रत्यूष' पत्रिका में साहित्यिक सामग्री का समावेश पसंद आया। हर अंक में साहित्य से संम्बधित आलेख-समाचार, संदेश होता ही है। अक्टूबर के अंक में नाथद्वारा में सम्पन्न 'हिन्दी लाओ-देश बचाओ', बाल वाटिका विशेषांक एवं कुंदन माली के साथ गौरीकांत शर्मा के साक्षात्कार वाला समाचार अच्छा लगा। हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में आपका प्रयास स्तुत्य है।

शांतिलाल जैन, उद्योपगति

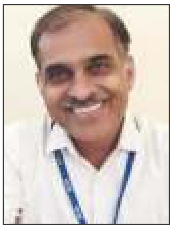

अक्टूबर 2023 का अंक पढ़ने को मिला। इस अंक की सामग्री का चयन बहुत ही प्रभावी रहा। पत्रिका हाथ में आते ही आद्योपांत एक ही बार में पढ़ने के बाद ही रूका। 'गांधी एक सच्चा नायक' एवं 'सादगी और नैतिकता के पर्याय थे शास्त्री जी' दोनों लेख बड़ों के साथ ही बच्चों के लिए भी उपयोगी और प्रेरक हैं। मेरा सुझाव है कि पत्रिका में बच्चों के लिए भी एक या दो पृष्ठ में कविता, कहानी, बाल पहेली आदि भी प्रकाशित करेंगे तो पत्रिका की पूरे परिवार के लिए उपयोगिता बढ़ जाएगी। आशा है आपको मेरा सुझाव पसंद आयेगा।

-मंगल कुमार जैन, कूण

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum
Corporation
Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रणजीत सिंह सरुपरिया
प्रवीन सरुपरिया

कन्हैयालाल खुबीलाल
सरुपरिया
(ज्वैलर्स)

मालदास स्ट्रीट कॉर्नर, बड़ा बाजार, उदयपुर (राज.) 313 001

शेष 19 दिन, 17 मैच, एक चैंपियन

भारत की मेजबानी में वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में पिछले माह तक 31 मैच हो चुके हैं और नवम्बर में सिर्फ 17 मैच बाकी हैं। जिनमें दो सेमीफाइनल व एक फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट का यह महाकुंभ 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता इंग्लैंड और गत उप विजेता न्यूजीलैंड के बीच` मैच से शुरू हुआ था। जिसमें न्यूजीलैण्ड ने इंग्लैण्ड को 9 विकेट से शिकस्त दी थी। भारत कुल चौथी बार और बारह साल के अन्तराल बाद पूर्ण रूप से पहली बार वनडे विश्वकप की मेजबानी कर रहा है।

01 नवंबर	बुधवार	न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका	पुणे	दोप. 2 :00 बजे
02 नवंबर	गरूवार	भारत बनाम श्रीलंका	मुंबई	दोप. 2 :00 बजे
03 नवंबर	शुक्रवार	नीदरलैंड्स बनाम अफगानिस्तान	लखनऊ	दोप. 2 :00 बजे
04 नवंबर	शनिवार	न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान	बेंगलुरू	सुबह 10 :30 बजे
04 नवंबर	शनिवार	इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया	अहमदाबाद	दोप. 2 :00 बजे
05 नवंबर	रविवार	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	कोलकाता	दोप. 2 :00 बजे
06 नवंबर	सोमवार	बांग्लादेश बनाम श्रीलंका	दिल्ली	दोप. 2 :00 बजे
07 नवंबर	मंगलवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम अफगानिस्तान	मुंबई	दोप. 2 :00 बजे
08 नवंबर	बुधवार	इंग्लैंड बनाम नीदरलैंड्स	पुणे	दोप. 2 :00 बजे
09 नवंबर	गुरूवार	न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका	बेंगलुरू	दोप. 2 :00 बजे
10 नवंबर	शुक्रवार	द. अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान	अहमदाबाद	दोप. 2 :00 बजे
11 नवंबर	शनिवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश	पुणे	सुबह 10 :30 बजे
11 नवंबर	शनिवार	पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड	कोलकाता	दोप. 2 :00 बजे
12 नवंबर	रविवार	भारत बनाम नीदरलैंड्स	बेंगलुरू	सुबह 10 :30 बजे
15 नवंबर	बुधवार	पहला सेमीफाइनल	मुंबई	दोप. 2 :00 बजे
16 नवंबर	गुरूवार	दूसरा सेमीफाइनल	कोलकाता	दोप. 2 :00 बजे
19 नवंबर	रविवार	फाइनल	अहमदाबाद	दोप. 2 :00 बजे

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

व्यापार में आय कम व्यय की अधिकता रहेगी, धन की हानि संभव, मित्रों से लाभ मिलेगा। मनोकामनाएं पूर्ण होंगी, धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी, शत्रुओं का भय रहेगा। व्याधि के कारण शरीर त्रस्त रहेगा। नाते रिश्तेदारी से अप्रिय समाचार मिलेंगे। राजनीतिक अवसर मिलेंगे।

वृषभ

कार्य व्यवहार मध्यम रहेगा, लाभ एवं व्यय सम रहेगा। राज कार्य में मान व इज्जत में वृद्धि का योग। पुराने मित्रों से मिलन होगा, शत्रु पराजित होंगे। वाद–विवाद में विजय होगी। मन उद्विग्न रहेगा। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। वरिष्ठजनों का सहयोग अवश्य लें।

मिथुन

पारिवारिक सुख में कमी आएगी। कार्यों में बाधाएं व अड़चनें बनी रहेंगी। इस समय कुछ गलत लोगों द्वारा ठगे जा सकते हैं, जिससे आर्थिक हानि संभव। रिश्तेदारों से दूरी बनाए रखने में ही भलाई है। शारीरिक रूप से कमजोरी महसूस करेंगे। माह का तीसरा सप्ताह नई ऊर्जा देगा।

कर्क

व्यवसाय अतिउत्तम रहेगा। श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ। राजयोग के प्रबल योग बनेंगे। लोगों में सम्मान प्राप्त हो सकेगा। मस्तिष्क पीड़ा एवं नेत्र विकार से शारीरिक कष्ट की संभावनाएं बनेगी। घर में शांति का माहौल रहेगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

सिंह

कार्य व्यवहार में उन्नति के योग हैं, धन का लाभ होगा। परंतु खर्च भी बढ़ेगा। राजकीय व शासकीय मान बढ़ेगा। पदोन्नति संभव। शत्रु पक्ष का विनाश होगा। दाम्पत्य जीवन में आनंद की अनुभूति रहेगी। माता–पिता से विवाद संभव। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह चुनौती पूर्ण रहेगा।

कन्या

कारोबार मध्यम रहेगा। आय–व्यय समान रहेगा। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति व मान बढ़ेगा। मन प्रसन्न रहेगा। भाइयों से अनबन संभव, शरीर को बीमारी से कष्ट होगा। व्यापार में नऐ समझौते संभव, वरिष्ठजनों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

व्यापार मध्यम, लाभ एवं खर्च समान रहेगा। धन की कमी महसूस होगी। शासकीय कार्यों में सफलता मिलेगी एवं मान–सम्मान पद प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। कार्यों में आंशिक सफलता रहेगी। शरीर को कष्ट रहेगा। राजनीति से जुड़े जातक संयम रखें वरना अवसर हाथ से निकल सकते हैं।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा चतुर्थी	करवा चौथ
10 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा द्वादशी	धन तेरस
11 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी	हनुमान प्राकट्योत्सव
12 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा चर्तुदशी	नरक रूप चर्तुदशी
13 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा अमावस्या	दीपावली/महावीर स्वामी निर्वाण दिवस/महिर्षि दयानंद सरस्वती पुण्य तिथि
14 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा	बाल दिवस / गोवर्धन पूजा
15 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल द्वितीया	यम द्वितीया (भाई दूज)
19 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल षष्टी/सप्तमी	इंदिरा गांधी जयंती
21 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल एकादशी	तुलसी विवाह
27 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा	गुरू नानक जयंती

वृश्चिक

कार्य व्यवहार मध्यम रहेगा। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। यात्राओं का लाभ मिलेगा। संतान पक्ष से प्रसन्नता, शारीरिक कष्ट से मन अप्रसन्न रहेगा एवं दाम्पत्य जीवन में भी नीरसता। व्यापारिक समझौते हानि पहुंचा सकते हैं। मानसिक रूप से नयी ऊर्जा का आभास होगा।

धनु

कारोबार अच्छा रहेगा। धन लाभ होगा। सरकारी कार्यो में सफलता एवं मान–सम्मान प्राप्त होगा। संतान सुख पर्याप्त रहेगा। धार्मिक कार्यों से विमुखता रहेगी। व्यापार में किसी भी नये समझौते से पहले अपने परिवार से विचार विमर्श अवश्य करें।

मकर

व्यापार में काली वस्तुओं से लाभ होगा। परंतु खर्चा बराबर बना रहेगा। सरकारी कार्यों में लाभ रहेगा। यात्राएं लाभप्रद रहेंगी। दाम्पत्य जीवन उत्तम रहेगा। नये समझौते से बचें। विद्यार्थी वर्ग को मनचाहे परिणाम नहीं मिलेंगे। मनोबल बनाए रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ

व्यापारिक कार्यों में धन लाभ होगा। मान–सम्मान एवं पद प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। शत्रु पक्ष निष्प्रभावी होगा। परिवार में कहासुनी संभव, दाम्पत्य जीवन श्रेष्ठ रहेगा। यात्राओं से लाभ होगा। अटके कार्य पूर्ण होंगे। कार्यालय में आपके सहकर्मी आपका अहित करने में तत्पर रहेंगे।

मीन

व्यवसाय में उन्नति, धनलाभ, मित्रों से प्रसन्नता प्राप्त होगी। शत्रु पराजित होंगे। स्त्री संतान सुख में वृद्धि, शासकीय कार्यों में बाधाएं होने से मन उदिग्न रहेगा। स्थान परिवर्तन संभव है। इस माह में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहेगी। खान–पान संयमित रखें।

प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

उदयपुर। राजस्थान मिशन 2030 के तहत आमंत्रित सुझावों के आधार पर तैयार विजन दस्तावेज का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में राज्य स्तरीय समारोह में विमोचन किया। उदयपुर में जिला स्तरीय समारोह नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच पर संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल के आतिथ्य में हुआ। संभागीय आयुक्त व जिला कलक्टर ने राजस्थान मिशन 2030 निबंध प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम रही छात्रा प्रज्ञा, भाषण में प्रथम रही गार्गी व्यास को चेक प्रदान किए। निबंध में टॉपर रहे कृष्णा पालीवाल को टेबलेट, हर्षिता व्यास, रवि चौहान व भारती चौबीसा को मोबाइल भेंट किए। हाल ही व्याख्याता के पद पर चयनित कलावती वर्मा व फ़िरदौस बानो, लेवल द्वितीय अध्यापक हीराकुमारी डांगी, प्रीति गोस्वामी, ज्योति जेन, लेवल प्रथम अध्यापक अंकिता मीणा, जमना राजपूत, विधि जोषी, अश्विनी इसरानी, सचिन दवे, पुष्पा गमेती, ममता कुंवर व शकुंतला राणावत को नियुक्ति पत्र वितरित किए। स्कूली विद्यार्थी मीनाक्षी रेगर, हिमांशु रेगर, जिगनेश कीर, दक्ष बैरवा, किशोर बैरवा, गुणवंता, याना व हर्षा कीर को मुख्यमंत्री नि:शुल्क यूनिफॉर्म वितरित की। कार्यक्रम में देवस्थान आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, नगर निगम आयुक्त वासुदेव मालावत, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन शैलेश सुराणा, एसडीएम गिर्वा प्रतिभा वर्मा, गांधी दर्शन समिति जिला संयोजक पंकज शर्मा, टीएसई सदस्य लक्ष्मीनारायण पंड्या, समाज कल्याण बोर्ड की सदस्य सीमा चौरडिया, समाजसेवी अजयसिंह व नवलसिंह आदि मौजूद रहे।

जिम्मेदारीपूर्ण खनन समय की मांगः बंसल

उदयपुर। खनन से पर्यावरण को किसी प्रकार नुकसान नहीं पहुंचे। जिम्मेदारीपूर्ण खनन समय की मांग है और नैतिक जिम्मेदारी भी। उदयपुर इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसर्च सेंटर ट्रस्ट की ओर से उदयपुर चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में यूसीसीआई भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह बात आर.के. बंसल ने कही। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अंशु कोठारी ने कहा कि जिस प्रकार माता-पिता अपनी संतान का पालन-पोषण पूरी जिम्मेदारी से करते हैं। उसी प्रकार भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमें प्राकृतिक स्रोतों के उत्खनन एवं दोहन में अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। संरक्षक बीएच बाफना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का अर्थ स्वयं का संरक्षण है।

डॉ. वर्मा राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. एस.के. वर्मा को उनके वर्ष 2022-23 में प्रकाशित शोध पत्रों में से एक का चयन कर उसे बेस्ट बायोसाइंस रिसर्च पेपर ऑफ द इयर का पुरस्कार दिया गया।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने बताया कि टाइम टू लीप नेशनल अवार्ड के अंतर्गत अनुसंधान कार्य की मौलिकता, विशिष्टता और उसकी मानव जीवन में उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए हाल ही में मुंबई में हुए समारोह में केन्द्रीय लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे ने यह पुरस्कार दिया।

मूट कोर्ट में मणिपाल ने मारी बाजी

उदयपुर। डॉ. अनुष्का विधि महाविद्यालय के निदेशक डॉ. एसएस सुराणा ने बताया कि महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल एवं फाइनल राउंड हुए। इसमें प्रदेश के विभिन्न विधि विश्वविद्यालयों की 19 टीमों ने भाग लिया, जिसमें मोदी विश्वविद्यालय लक्ष्मणगढ़, मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, सर प्रताप विधि महाविद्यालय जोधपुर एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की कुल चार टीमें सेमीफ़ाइनल राउंड में पहुंची। सेमीफाइनल में दो राउंड हुए। इसमें अक्षिता अग्रवाल एवं करणसिंह ने जज के रुप में भूमिका निभाई। मोदी विवि लक्ष्मणगढ़ एव मणिपाल विवि जयपुर फाइनल राउंड के लिए चुनी गई। फाइनल राउंड में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि रिटायर्ड सेशन न्यायाधीष शिवसिंह चौहान, बार एसोसिएशन के महासचिव राकेश मोगरा, अध्यक्ष शिवकुमार उपाध्याय, डॉ. अनुष्का एजुकेशनल मेमोरियल ट्रस्ट सोसायटी की अध्यक्ष कमला सुराणा एवं सचिव राजीव सुराणा उपस्थित थे। निदेशक डॉ. एसएस सुराणा ने विजेता प्रतिभागियों का फ़ाइनल परिणाम घोषित किया। प्रतियोगिता में मणिपाल विवि की टीम विजेता रही।

अहमद अध्यक्ष, कौसर सदस्य

जयपुर। राज्य सरकार ने डूंगरपुर के असरार अहमद को राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास आयोग का अध्यक्ष, जयपुर के वसीम कुरैशी को उपाध्यक्ष तथा उदयपुर के अली कौसर कुराबड़, वाला व जोधपुर के लियाकत रंगरेज को आयोग का सदस्य मनोनीत किया है।

चायल को राज्य स्तरीय सम्मान

उदयपुर। गांधी जयंती पर जयपुर विकास प्राधिकरण में आयोजित राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में निर्धरित लक्ष्यों की प्राप्ति कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया। यूआईटी उदयपुर द्वारा पूरे राज्य में सभी यूआईटी से अधिक एवं 14 हजार के लक्ष्य के मुकाबले 30,504 पट्टे देकर 413 करोड रुपए का राजस्व अर्जित किया। जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। इसके लिए यूआईटी सचिव सावन कुमार चायल को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा यूआईटी उदयपुर के पूर्व सचिव नितेन्द्रपाल सिंह एवं अरुणकुमार हसीजा को भी योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यूआईटी चित्तौड़गढ़ द्वारा भी लक्ष्य से अधिक पट्टे देने के लिए आरडी मीणा को भी सम्मानित किया गया।

डॉक्टर्स ने खेलों में दिखाया दम

उदयपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उदयपुर ब्रांच से जुड़े सदस्यों का वार्षिक खेल महोत्सव आयोजित किया गया। बैकुंठ स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित इस महोत्सव के दौरान सदस्यों के लिए बॉक्स क्रिकेट, टेबल टेनिस और बैडमिंटन खेलों का आयोजन हुआ। आईएमए उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने बताया कि बॉक्स क्रिकेट (पुरुष) में मेवाड़ी ब्लास्टर्स की टीम और बॉक्स क्रिकेट (महिला) में शौर्यवाहिनी टीम विजेता रही। वहीं टेबल टेनिस (पुरुष) सिंगल्स में डॉ. मनीष डोडमानी, डबल्स में डॉ. मनीष डोडमानी व डॉ. अरविंद यादव की जोडी, टेबल टेनिस (महिला) सिगल्स में डॉ. आशीष जैन, डबल्स में डॉ. आशीष जैन व डॉ. उमेश स्वर्णकार की जोड़ी, बैडमिंटन (महिला) सिंगल्स में डॉ. मीनल चुग और डबल्स में डॉ. मीनल चुग व डॉ. स्मृति परिहार की जोड़ी विजेता रही।

मिरांडा स्कूल को राजस्थान रेडियंस अवार्ड

उदयपुर। मिरांडा स्कूल को राजस्थान रेडियंस अवार्ड से नवाजा गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास एवं फिल्म अभिनेत्री डॉ. अदिति गोवित्रिकर ने निदेशक दिलीपसिंह यादव को प्राइमरी एवं सैकंडरी शिक्षा में क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

महिला समृद्धि बैंक को प्रथम पुरस्कार

उदयपुर। द उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ महिला नागरिक सहकारी बैंक का अवार्ड प्रदान किया गया। बैंको ब्ल्यू रिबन अवार्ड समारोह में महिला समृद्धि बैंक की ओर से बैंक अध्यक्ष डॉ. किरण जैन, निदेशक मीनाक्षी श्रीमाली, कंचन केसर सोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत एवं आईटी हेड निपुण चित्तौड़ा ने भाग लिया। चपलोत ने बताया कि इस वर्ष देश की 510 नागरिक सहकारी बैंकों ने इस अवार्ड के लिए आवेदन किया था। जिसमें महिला बैंक श्रेणी में महिला समृद्धि बैंक को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

लुहाड़िया को बेस्ट प्लुरोस्कोपी रिसर्च अवार्ड

उदयपुर। जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ब्रोंकोपलमोनरी वर्ल्ड कांग्रेस में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के टीबी एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाड़िया को डॉ. एच.जी. वरुडकर बेस्ट प्लुरोस्कोपी रिसर्च पेपर अवार्ड मिला। उन्होंने रोल ऑफ मेडिकल थोरैकोस्कोपी इन अनडायग्नोस्ड प्लूरल इफ्यूजन पर अपने पिछले आठ साल का अनुभव एवं डेटा प्रस्तुत किया। उनकी स्टडी को जजेस के पैनल ने बेस्ट रिसर्च पेपर के लिए चयनित किया एवं प्रथम अवार्ड दिया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर भंडारी वाइस चांसलर, राजस्थान युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज थे।

घटियावली में गो चिकित्सा शिविर

निम्बाहेड़ा। विश्व पशु दिवस पर जेके सीमेंट वर्क्स में सामाजिक सेवा उत्तरदायित्व के तहत महादेव गोशाला घटियावली (चित्तौड़गढ़) में निशुल्क एक दिवसीय पशु चिकित्सा शिविर यूनिट हेड आरबीएम त्रिपाठी एवं हेड एचआर प्रभाकर मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कंपनी के सीएसआर मैनेजर मनीष शर्मा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ गोशाला अध्यक्ष शिवराम दास त्यागी ने किया। डॉ. प्रवीण कुमार व उनकी टीम ने 21 गायों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया।

लुणावत संरक्षक मनोनीत

उदयपुर। मार्बल प्रोसेसर समिति कार्यकारिणी की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए मार्बल उद्योग में वरिष्ठ उद्यमी मांगीलाल लुणावत को समिति के संरक्षक पद पर मनोनीत किया गया।

स्टेप बाय स्टेप में कराटे व वूशु स्पर्धा

उदयपुर। स्टेप बाय स्टेप हाई स्कूल की मेजबानी में 67वीं जिला स्तरीय कराटे व वूशु प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें 65 स्कूलों के चार सौ बच्चों ने हिस्सा लिया। अतिथि स्टेप बाय स्टेप की निदेशक ममता अरोड़ा, प्रिंसिपल पुष्पा आंचलिया, नीतू सागर, जिला शिक्षा अधिकारी आशा मांडावत खेल अधिकारी लक्ष्मणदास वैष्णव, एसडीओ मुरलीधर चौबीसा आदि थे। अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार दिए।

रॉयल स्कूल को उपविजेता की ट्रॉफी

उदयपुर। 67वीं जिला स्तरीय जिम्नास्टिक खेलकूद प्रतियोगिता का सम्मान समारोह सेंट जॉर्ज पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल देबारी में हुआ। रॉयल पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के प्रतियोगियों ने शारीरिक शिक्षक मुकेश कुमावत के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदौलत द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी आशा मांडावत, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुरली चौबीसा और उप जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण सालवी ने उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस उपलब्धि पर रॉयल सीनियर सैकंडरी स्कूल के निदेशक जी.एल. कुमावत व प्रधानाचार्य अनिरुद्ध पांडे ने राज्य स्तर पर चयनित संजय पटेल, अभिनव कुमावत, सेवन गुर्जर तथा अभिनव जोशी को सम्मानित किया।

अरबन को-ऑपरेटिव बैंक को द्वितीय पुरस्कार

उदयपुर। द अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को वर्ष 2022-23 में 700 से 800 करोड़ की जमाओं वाली बैंक श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ नागरिक सहकारी बैंक का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बैंक अध्यक्ष तौसीफ हुसैन ने बताया कि इस वर्ष बैंकों ब्ल्यू रिबन अवार्ड 2023 का कार्यक्रम दमन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक पी. के. अरोड़ा ने कार्यक्रम में बैंक को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित कर देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक बैंक घोषित किया।

ऋषि कपूर बने गीतांजलि में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में ऋषि कपूर ने चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभाला। गीतांजलि ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने उनका स्वागत किया और बधाई दी। मेडिकल सुपरिटेंडेंट, डॉ. हरप्रीत सिंह, सीएचआरओ डॉ. राजीव पंड्या व सभी विभागों के एचओडी व स्टाफ ने भी उनका अभिवादन किया।

दिव्यांग स्कूटी योजना में 48 लाभान्वित

उदयपुर। बजट घोषणा वर्ष 2023-24 की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा नगर निगम परिसर में मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत स्कूटी वितरण का कार्यक्रम हुआ। जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, टीएसी सदस्य लक्ष्मीनारायण पंड्या, समाजसेवी पंकज शर्मा, नवलसिंह चूंडावत, जगदीश अहीर के आतिथ्य में 48 दिव्यांगजन को स्कूटी का वितरण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव कुलदीप शर्मा ने दिव्यांगजनों का हौसला बढाया।

विद्यापीठ इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

उदयपुर। इंडियन बुक ऑफरिकॉर्ड्स हैदराबाद ने जर्नादन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय का नाम रिकॉर्ड पुस्तक में दर्ज किया है। कुलपति प्रो एसएस सारंगदेवोत ने बताया कि विद्यापीठ ने आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा बनकर राष्ट्र प्रथम, सर्वदा प्रथम थीम के साथ नया भारतीय विश्व रिकॉर्ड हासिल करने में भागीदार की। इसके निर्णायक सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. जीवीएन आरएसएस वारा प्रसाद थे।

प्रताप बोर्ड के झाला अध्यक्ष

उदयपुर। राजस्थान सरकार के कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातात्विक विभाग ने उदयपुर के लालसिंह झाला को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। बोर्ड में उपाध्यक्ष पद पर रघुवीर सिंह राठौड़ तथा सदस्य के रूप में हेमसिंह शेखावत सीकर, राधेश्याम तंवर जयपुर, गोपालसिंह चौहान उदयपुर, परमेन्द्रसिंह जोधपुर, धनसिंह नरूका जयपुर, श्रीमती भगवतीदेवी झाला, चित्तौड़गढ़ व नारायणसिंह राठौड़ गोटन मेडता को नियुक्त किया गया है।

पूर्व छात्रों का स्नेह मिलन

उदयपुर। मावली स्कूल के पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन कार्यक्रम गत दिनों सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि हरीश जोशी, नवीन पाठक, प्रकाश तातेड़ व नरेन्द्र पुरोहित थे। अध्यक्षता प्रतापमल देवपुरा ने की। कार्यक्रम में शारदा सनाढ्य, बसंत त्रिपाठी, डॉ. महेश त्रिपाठी, दिनेश कोठारी, जीएल कुमावत, प्रणयनंदी, डॉ. सुरेश काबरा, चंचल वैरागी, शशि शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन पीयूष जोशी ने किया।

नर्सिंग अधीक्षक का सम्मान

उदयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन उदयपुर अध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष के नेतृत्व में नर्सिंग अधीक्षक मोहनलाल मेघवाल का उत्कृष्ट नर्सिंग सेवाओं के लिए सम्मान किया गया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. विपिन माथुर ने की। अतिथि डॉ. नरेन्द्र राठौड़, डॉ. गौरव जायसवाल, नर्सिंग अधीक्षक संपतलाल बडाला थे।

स्थापना दिवस कार्यक्रम

उदयपुर। तारा संस्थान के तारा नेत्रालय के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम हुआ। संस्थान संस्थापक एवं अध्यक्ष कल्पना गोयल व वरिष्ठ आई सर्जन लीना दवे ने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ आई सर्जन डॉ. सुबोध सराफ ने कहा कि संस्थान उदयपुर में नि:शुल्क 48533 ऑपरेशन करने में सफल रहा हैं। इस दौरान संस्थान के वरिष्ठ सर्जन डॉ. जी.एल. कुमावत, मुख्य कार्यकारी दीपेश मित्तल भी उपस्थित थे।

डीटीओ कल्पना शर्मा ने संभाला पदभार

राजसमंद। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा जारी तबादली सूची की अनुपालना में जिला परिवहन अधिकारी कल्पना शर्मा ने यहां पदभार ग्रहण कर लिया। उनका स्थानांतरण आरटीओ कार्यालय जयपुर द्वितीय कार्यालय से राजसमंद डीटीओ के पद पर किया गया है।

कटेवा को गांधी पुरस्कार

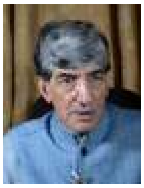

जयपुर। धर्मवीर कटेवा को पिछले दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गांधी सद्भावना सम्मान पुरस्कार 2023 प्रदान किया। इसके तहत उन्हें पांच लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। कटेवा का गांधी मूल्यों के प्रसार में बड़ा योगदान रहा है।

जुगनू को टैस्सीटोरीश्री सम्मान

उदयपुर। आर्कियोलॉजी एंड एपिग्राफी सोसायटी, राजस्थान का प्रतिष्ठित एलपी टैस्सीटोरी श्री सम्मान उदयपुर के इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू को दिया गया है। जोधपुर में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्व सांसद गजसिंह ने राजस्थान की पुरातात्विक संपदा और विरासत के संरक्षण पर जोर दिया और इटली के सुप्रसिद्ध इतिहासकार एलजी टेस्सीटोरी की स्मृति में स्थापित सम्मान दिया। हालांकि पैर में चोट के कारण डॉ. जुगनू समारोह में नहीं जा सके।

दिनेश माली बने प्रदेशाध्यक्ष

उदयपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय जागृति मंच की नवगठित कार्यकारिणी ने दिनेश माली को मंच का राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। माली की नियुक्ति मोतीलाल सांखला राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विशेष सलाहकार कमेटी की सलाह पर की गई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत का सम्मान

उदयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के गत दिनों जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय आने पर कुलपति प्रोफेसर एसएस सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, डॉ. भवानी पाल सिंह राठौड़ ने उपरणा, पगड़ी एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री जगदम्बिका पाल का भी सम्मान किया गया।

कुरैशी अध्यक्ष, शाह मंत्री

उदयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय नगर अ के चुनाव में अशफाक कुरैशी अध्यक्ष, शशिकांत शाह मंत्री, महेन्द्र सेन सभाध्यक्ष, सुरेन्द्र चौधरी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इंदु के जैन महिला मंत्री, गजेन्द्र कुंवर राठौड़ व राजबाला स्वामी उपाध्यक्ष तथा पुरुषोत्तम जांगिड संस्कृत सदस्य चुने गए।

जोशी यूआईटी सचिव, देवासी जिला परिषद सीईओ

उदयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजेशी जोशी को उदयपुर यूआईटी सचिव की कमान सौंपी है। इनके अलावा जिला परिषद में सीईओ की जिम्मेदारी छोगाराम देवासी को दी गई है। आईएएस अफसर मयंक मनीष के जयपुर तबादले के बाद से जिला परिषद में सीईओ का पद खाली पड़ा था।

नागदा विप्र बोर्ड में सलाहकार नियुक्त

उदयपुर। राज्य सरकार के विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा ने उदयपुर के कौशल नागदा को विशेषज्ञ सलाहकार समिति में सदस्य नियुक्त किया है।

चंचल भाजपा मीडिया संयोजक

उदयपुर। भाजपा राजस्थान प्रदेश मीडिया विभाग के प्रदेश संयाजक प्रमोद वशिष्ट ने पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की अनुशंसा से कार्यकारिणी घोषित की। इसमें उदयपुर संभाग के मीडिया प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल को संभाग संयोजक और चित्तौड़गढ़ के मीडिया प्रभारी सुधीर जैन को उदयपुर संभाग मीडिया सहसंयोजक मनोनीत किया है।

समाज सेवा

देश भक्ति का ज़ज्बा जगाते: श्रीरत्न मोहता

भारत की आज़ादी का अमृत महोत्सव 2021 में शुरू हुआ, तभी से श्रीरत्न मोहता रोज - दो - पांच लोगों को

तिरंगा झंडा जरूर प्रदान करते हैं, उनका यह क्रम रूकता नहीं है। वे पिछले कई वर्षों से मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए समय-समय पर जनसम्पर्क भी करते रहे हैं। नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करने एवं मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में इनके जागरूकता अभिमान को प्रबुद्ध वर्ग एवं सामाजिक तथा शैक्षिक संस्थाओं ने भी खूब सराहा है। मतदाता सूचियों में युवाओं के नाम जुड़वाने में इनके प्रयत्न विशेष उल्लेखनीय है। बैंक अधिकारी के पद से सेवानिवृत श्रीरत्न मोहता को इसी वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदान दिवस पर जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। समाज की सेवा का कोई आयोजन-प्रयोजन हो, उसमें सदैव सक्रिय रहने वाले मोहता सामाजिक एवं राजनैतिक विभूतियों से भी सम्मानित हो चुके हैं। बीकानेर के 'दीवान मोहता' परिवार के ज्योतिष शास्त्र के प्रकाण्ड पंडित चम्पालाल मोहता के पुत्र समाज विभूति श्री चांदरतन मोहता के पुत्र श्रीरत्न मोहता राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव, महेश सोसायटी के अध्यक्ष, लॉयन्स क्लब अध्यक्ष, भारत विकास परिषद की कार्यकारिणी सदस्य, वैश्य संस्थान समन्वय परिषद के जिला संयोजक पद पर उल्लेखनीय सेवाएं दे चुके हैं। इसके साथ ही मरूधर समाज (जोधपुर) अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन, अन्तरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के भी सदस्य रह चुके हैं। वर्तमान में 'मणिमुक्ता' पत्रिका के सम्पादक हैं धार्मिक प्रवृति के मोहता को भजन मन्डलियों में गाते-नाचते भी देखा जा सकता है। सुदरकाण्ड इनके कंठस्थ है। मंच संचालन का इनका अपना अलग ही अंदाज है।

-दुर्गेश मेनारिया

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री दलपतसिंह जी जावरिया का 15 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती इन्द्रादेवी, पुत्र गौरव, पुत्रियां श्रीमती तीजा बाई, वेलावत, पुष्पा गोल व मंजू पोरवाल तथा पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

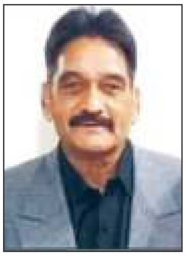

उदयपुर। श्री अशोक कुमार जी माथुर का 24 सितम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती संदीपा, पुत्रियां स्वाति वं आधिश्री सहित भाई-भतीजों का वृहद एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। कर्नल महेशचन्द्र जी गांधी (से.नि.) का 28 सितम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे विरह में व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी, पुत्र दीपक व कुणाल गांधी तथा पौत्र-पौत्रियों व भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती झनकार देवी जी खमेसरा का 29 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र सीपी खमेसरा, गोपाल कृष्ण, विजय, दिलीप व वसंत खमेसरा, पुत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी सेठ, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्री का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री लक्ष्मीनारायण जी पांडे (सुखवाल) का 18 सितम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र प्रभाष एवं पौत्र,पड़पौत्र, पड़पौत्री सहित संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती रंजना जी नाहर लकड़वास वाला का 2 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे जेठ-जेठानियों, देवर-देवरानियों, पुत्रियों आशना, शोना व त्रिशा का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी एडवोकेट फतहलाल जी नागौरी का 6 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र एडवोकेट राजेश, संजय, पुत्री मंजू जैन एवं भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती मनोहर देवी सेन का 7 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र राजेन्द्र सेन (संरक्षक-सेन समाज), पुत्रवधू निर्मल (स्व. महेन्द्र), अनिल कुमार व जुगनू सेन, पुत्री श्रीमती यशोदा शर्मा व पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती सत्यवती जी धर्मपत्नी स्व. विद्यावल्लभ जी दीक्षित का 28 सितम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र रमानाथ, वीरेन्द्र व महेन्द्र दीक्षित, पुत्रियां गिरिजा व्यास, सुलोचना भार्गव व चन्द्रा व्यास सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती शांतादेवी जी नावेदिया (80) का 2 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति श्री नंदलाल नावेदिया, पुत्र सुरेश, जितेन्द्र, सुनील, महावीर व प्रफुल्ल, पुत्री श्रीमती चन्द्रकांता खटवड़ सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र व देवर-देवरानियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

Happy Diwali
Kapil Jain Intodia
Website : kapiljainarchitects.com
Call : 9414166959 | 7610012349
kapil jain architects
Complete design solutions
✦ Architecture Designing ✦ Interior Design ✦ Green Building Designing
✦ Affordable Housing Designing ✦ Structural Designing ✦ All Municipal Liaisioning ✦ RERA Consultancy
✦ Vaastu Consultancy ✦ M.E.P. Consultancy ✦ Project Management
Office : 2-A, Residency Road, Opp. Monalisa Studio, Sardarpura, Udaipur
1, Saraswati Apartment, SVP Road, opp. Bhagwati Hospital, Borivali (West), Mumbai

Happy Diwali
ALLIED
CONSTRUCTION
• Own Fleet of Buldozer's
• Hydraulic Excavators
• J.C.B.
• Dumpers
• Trailer
• Motor Grader
• Vibrator Soil Compactor
• Road Rollers and
• Breakers with Machines
Tata - Hitachi Ex-200
ALLIED CONSTRUCTION
• Earth Movers • Civil Contractors • Fabricators
46, Moti Magri Scheme, Udaipur - 313001 INDIA
Tel .: (Off & Res) 2527306, 2560897 (W) 2640196
Fax : 0294-2523507 Email : allied_construction@rediffmail.com

Vikram Arora
Managing Director

ARORA'S

JK NATURAL MARBLES LIMITED

ARORA GROUP

- ▲ Dairy
- ▲ Realty
- ▲ Mining
- ▲ Hospitality
- ▲ Distillery
- ▲ Trading

G-1, The IDEA Apartment, 14-A-1, New Fatehpura, Opp. Allahabad Bank
Udaipur - 313 004 (Raj.) India, Tel : +91 294-2414684 / 2810352

Corporate Office :
237, Ekta Co-operative Housing Society Ltd., Unit No. 1896
Motilal Nagar No. 1, Road No. 4, Opp. Ganesh Mandir Ground, Goregaon, West Mumbai - 400104

www.jkmarble.com | vikramarora@jkmarble.com

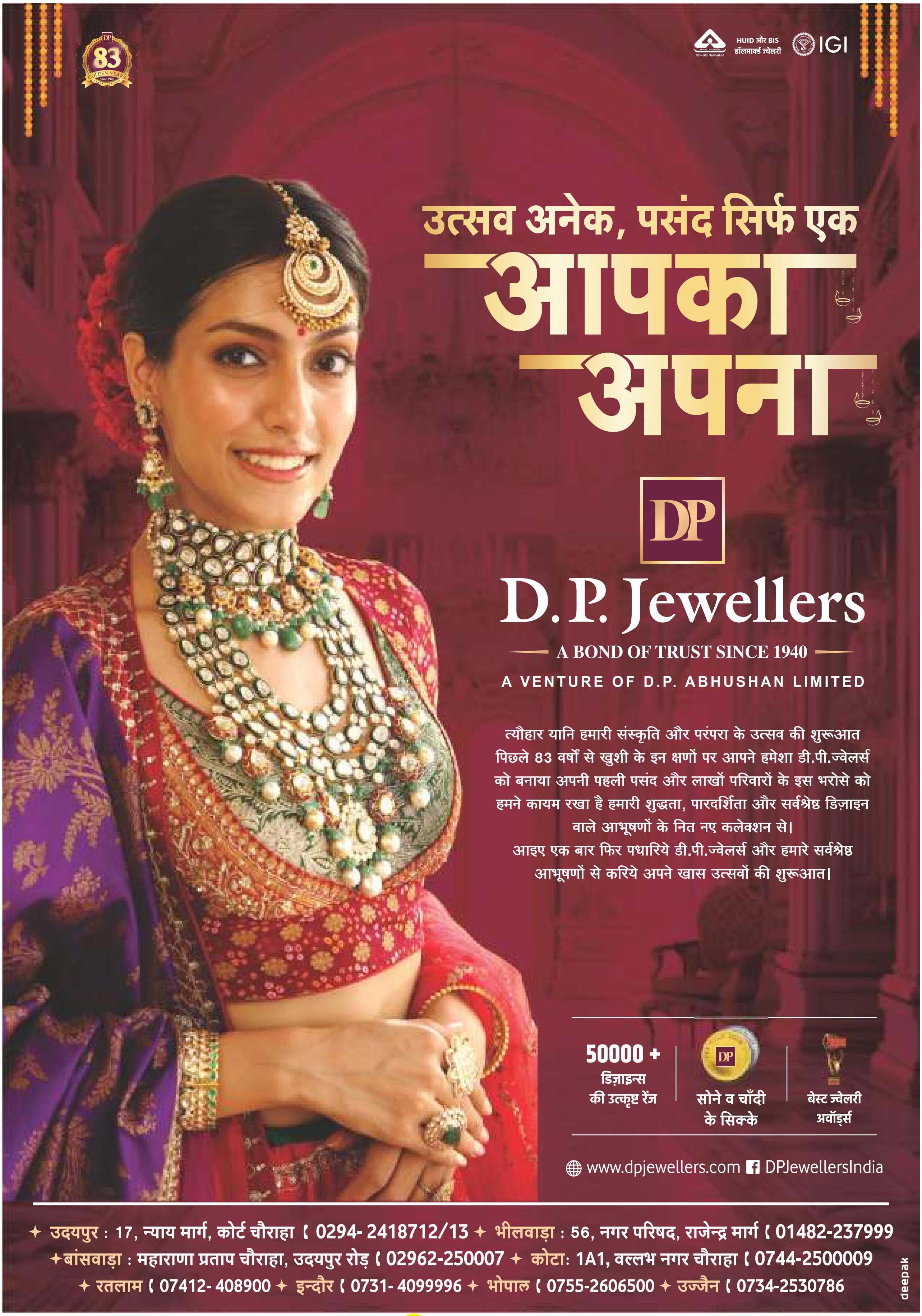
83
HUID और BIS हॉलमार्कड ज्वेलरी
IGI
उत्सव अनेक, पसंद सिर्फ एक
आपका अपना
DP
D. P. Jewellers
A BOND OF TRUST SINCE 1940
A VENTURE OF D.P. ABHUSHAN LIMITED
त्यौहार यानि हमारी संस्कृति और परंपरा के उत्सव की शुरूआत पिछले 83 वर्षों से खुशी के इन क्षणों पर आपने हमेशा डी.पी.ज्वेलर्स को बनाया अपनी पहली पसंद और लाखों परिवारों के इस भरोसे को हमने कायम रखा है हमारी शुद्धता, पारदर्शिता और सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन वाले आभूषणों के नित नए कलेक्शन से।
आइए एक बार फिर पधारिये डी.पी.ज्वेलर्स और हमारे सर्वश्रेष्ठ आभूषणों से करिये अपने खास उत्सवों की शुरूआत।
50000 + डिज़ाइन्स की उत्कृष्ट रेंज
सोने व चाँदी के सिक्के
बेस्ट ज्वेलरी अवॉर्ड्स
www.dpjewellers.com
DPJewellersIndia
✦ उदयपुर : 17, न्याय मार्ग, कोर्ट चौराहा ☎ 0294- 2418712/13 ✦ भीलवाड़ा : 56, नगर परिषद, राजेन्द्र मार्ग ☎ 01482-237999
✦ बांसवाड़ा : महाराणा प्रताप चौराहा, उदयपुर रोड़ ☎ 02962-250007 ✦ कोटा: 1A1, वल्लभ नगर चौराहा ☎ 0744-2500009
✦ रतलाम ☎ 07412- 408900 ✦ इन्दौर ☎ 0731- 4099996 ✦ भोपाल ☎ 0755-2606500 ✦ उज्जैन ☎ 0734-2530786
deepak

CHUNDA PALACE

MAJESTIC INVITING TRANQUIL

JOYFUL MAGICAL POETIC

SUBLIME ETERNAL INSPIRING

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas Ji Ki Magri, Main Road, Udaipur 313001, Rajasthan, India

Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492
Facsimile: +91-294-2430889

E-mail: info@chundapalace.com
Website: www.chundapalace.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 21 अंक 7, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001